संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 141
पृष्ठ 8
शनिवार
08 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बैली फैट ...

विचार- राहुल गांधी ...

खेल- चैंपियंस ट्रॉफी ...

नीतिगत दरों में पांच वर्ष बाद कमी, ऋण के सस्ते होने की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चुनौतिपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत और लचीली बने रहने और आगे महंगाई में नरमी आने की उम्मीद जताते हुये करीब पांच वर्ष बाद नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती तथा मौद्रिक रूख को 'तटस्थ' रखने का निर्णय लिया जिससे आवास ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋणों के सस्ते होने की उम्मीद बनी है। लगातार ग्यारहवीं बैठक में बेंचमार्क रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के बाद केंद्रीय बैंक ने आर्थिक विकास की गति कम होने और मुद्रास्फीति के अपने 4 प्रतिशत लक्ष्य के करीब पहुँचने के संकेतों के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच दरों में कटौती की। रिजर्व बैंक ने लगभग पाँच वर्षों में पहली बार बेंचमार्क दरों में कटौती की। इससे पहले कोरोना के दौरान मई 2020 में रेपो दर में 40 आधार अंकों की कटौती

करके इसे 4 प्रतिशत किया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष की मौद्रिक नीति की छठी और अंतिम तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते हुये कहा कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप है। समिति ने सर्वसम्मति से दरों में कटौती करने और रुख को बनाए रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच समिति ने सर्वसम्मति से बेंचमार्क नीति दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करके इसे 6.50 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.00 प्रतिशत होगी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.50 प्रतिशत होगी। एमपीसी ने सर्वसम्मति से तटस्थ रुख जारी रखने तथा विकास को समर्थन देते हुए मुद्रास्फीति को लक्ष्य के साथ टिकाऊ रूप से संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जिसमें पहली तिमाही 6.7 प्रतिशत, दूसरी तिमाही 7 प्रतिशत, तथा तीसरी और चौथी तिमाही 6.5 प्रतिशत रहेगी। चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के 4.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जिसमें चौथी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत रहने की संभावना है। अगले वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के 4.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताते हुये उन्होंने कहा कि खुदरा महंगाई पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 4.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही 3.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4. 2 प्रतिशत रह सकती है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। खाद्य पर अनुकूल परिदृश्य तथा पिछली मौद्रिक नीति कार्रवाइयों के निरंतर प्रसारण के समर्थन से, 2025–26 में इसमें और नरमी आने की उम्मीद है, जो धीरे–धीरे लक्ष्य के साथ संरेखित होगी। समिति ने विकास का समर्थन करने के लिए नीतिगत पहल की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में अत्यधिक अस्थिरता और प्रतिकूल मौसम की घटनाओं के साथ वैश्विक व्यापार नीतियों के बारे में निरंतर अनिश्चितताएं विकास और मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करती हैं। पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, चालू वर्ष के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत अनुमानित है, जो पिछले वर्ष 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के बाद एक नरम विस्तार है। आने वाले वर्ष में आर्थिक गतिविधि में सुधार की उम्मीद है। श्री मल्होत्रा ने कहा कि ग्रामीण मांग में लगातार वृद्धि जारी है, जबकि शहरी खपत में कमी बनी हुई है तथा उच्च आवृत्ति संकेतक मिश्रित संकेत दे रहे हैं। रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है। कृषि क्षेत्र में अच्छी गतिविधि घरेलू उपभोग के लिए शुभ संकेत हैं। सरकारी उपभोग व्यय के मामूली बने रहने की उम्मीद है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों में की गई गड़बड़ी

● पूछा– ये 39 लाख वोटर कौन हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और एनसीपी–एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम इस टेबल पर पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ा था। हम चुनाव के बारे में कुछ जानकारी लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हमने मतदाताओं और मतदान सूची के विवरण का अध्ययन किया। हमारी टीमें काम कर रही हैं और हमें कई अनियमितताएं मिली हैं। राहुल ने कहा कि देश के लिए, विशेषकर युवा लोगों के लिए जो लोकतंत्र के पक्षधर हैं और उसमें विश्वास करते हैं, इन निष्कर्षों से अवगत होना और समझना आवश्यक है। राहुल ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव से 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच 5 साल में 32 लाख मतदाता जुड़े। हालाँकि, लोकसभा 2024 में इन पार्टियों (कांग्रेस, एनसीपी–एससीपी, शिवसेना (यूबीटी)) की जीत और विधानसभा चुनावों के बीच 5 महीने की अवधि में – 39 लाख मतदाता जुड़े। सवाल ये है कि ये 39 लाख वोटर कौन हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या के बराबर है। दूसरा मुद्दा यह है कि महाराष्ट्र में राज्य की कुल मतदान आबादी से अधिक मतदाता क्यों हैं? कुछ इस तरह से महाराष्ट्र में अचानक से वोटर तैयार हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई, कई, कई मतदाता हैं जिन्हें हटा दिया गया है। जो मतदाता एक बूथ पर हैं उन्हें दूसरे बूथ पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इनमें से अधिकतर मतदाता दलित समुदाय, आदिवासी समुदाय और अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं। हमने चुनाव आयोग से बार–बार अनुरोध किया है।

एनसीबी ने नवी मुंबई में 200 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए, चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने नवी मुंबई से चार लोगों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ करने के साथ 200 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एनसीबी की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के एक अधिकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य विदेश से इसकी गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं और जब्त किए गए कुछ मादक पदार्थ कूरियर या छोटी कार्गो सेवाओं और अन्य परिवहन संसाधनों से अमेरिका से मंगाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पिछले माह ऑस्ट्रेलिया भेजे जाने वाले एक पार्सल से 200 ग्राम कोकीन जब्त की और नवी मुंबई में मादक पदार्थ के स्रोत का पता लगाकर गिरोह का भंडाफोड़ किया।

आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना : नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक सवाल की जवाब में लोकसभा में कहा की आयुष्मान योजना दुनिया की स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी योजना है। जो लोग पहले पैसे के अभाव में अस्पताल में इलाज करवाने नहीं जा सकते थे उन्हें अब इस योजना के तहत अस्पतालों में इलाज मिल रहा है। आयुष्मान भारत के तहत देश की 40: आबादी को कवर किया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है और 2018 तक इसमें 35 लाख कार्यकर्ता जुड़े हुए थे। देश में कुल 61 करोड़ से ज्यादा

लोगों को आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य कर सेवा दी गई है। अब तक अस्पताल 8.6 करोड़ लोगों को इस योजना के तहत लाभ दिया जा चुका है। देश में बड़े स्तर पर लोगों की जीवन को इस योजना के तहत बचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30000 अस्पताल के माध्यम से बाईपास सर्जरी जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यदि कोई समस्या इस पर आती है तो राज्य सरकारों के साथ मिलकर इसकी समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार सभी सुविधा दे रही है और समय पर पैसे का भुगतान भी किया जा रहा है।

पारदर्शी काम नहीं कर रहा है ईसी : केजरीवाल

● एग्जिट पोल के बाद हलचल, आप ने अपलोड किया 17सी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से एक दिन पहले आप ने 17सी और प्रत्येक विधानसभा में प्रति बूथ डाले गए वोटों की संख्या अपलोड कर दिया है। इसको लेकर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक्स पोस्ट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कई अनुरोधों के बावजूद चुनाव आयोग ने फॉर्म 17सी और प्रत्येक विधानसभा में प्रति बूथ डाले गए वोटों की संख्या अपलोड करने से इनकार कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने एक वेबसाइट बनाई है – http://transparentelections.in जहां हमने हर विधानसभा के सभी फॉर्म 17सी अपलोड किए हैं। इस फॉर्म में हर बूथ पर पड़े वोटों का पूरा ब्यौरा है। केजरीवाल ने एक्स पर आगे लिखा कि दिन भर हम हर विधानसभा और हर बूथ का डेटा सारणीबद्ध प्रारूप में भी प्रस्तुत करेंगे ताकि हर मतदाता तक यह जानकारी पहुंच सके। यह कुछ ऐसा है जो चुनाव आयोग को पारदर्शिता के हित में करना चाहिए था लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 70 उम्मीदवार और वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास पर एकत्र हुए। यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई जब लगभग साने एक्जिट पोल भाजपा के पक्ष में चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी कर रहे हैं। आप नेता गोपाल राय ने बताया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आज आप के सभी विधायकों की बैठक हुई जिसमें सभी उम्मीदवारों ने अपनी रिपोर्ट दी। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक, ।।च करीब 50 सीटें जीतेगी और 6–7 सीटों पर कांटे की टक्कर होगी। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश दिया है। गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह से श्गली गालोच पार्टीश एग्जिट पोल के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही है कि वे सरकार बनाएंगे लेकिन उनकी हताशा हकीकत बयां कर रही है। जिस तरह से हमारे उम्मीदवारों को भाजपा में शामिल होने के लिए फोन आ रहे हैं और उन्हें मंत्री पद का प्रलोभन दिया जा रहा है।

महाकुंभ मेले में तुलसी मार्ग पर शिविर में लगी आग, कई शिविर जलकर खाक

महाकुंभनगर, एजेंसी। महाकुंभ नगर में सेक्टर 18 तुलसी और शंकराचार्य मार्ग पर एक शिविर में शुक्रवार को आग लग गई। दमकल की एक दर्जन से अधिक गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। कल्पवासी थाना प्रभारी निरीक्षक अजब सिंह ने बताया कि जीटी रोड पर तुलसी चौराहे के पास शंकराचार्य मार्ग पर स्थित स्कॉन मंदिर शिविर के बाद देवी संपदा मठ के शिविर में आग लगी। आगे पीछे से दोनो एक दूसरे से सटे थे। उन्होंने बताया कि मौके पर एक दर्जन से अधिक दमकल की गाडियां मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी

इसके बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। भीड को मौके से हटाया गया। श्री सिंह ने बताया कि हवा तेज थी जिससे देवी संपदा मठ के शिविर में आग लगी। आग पर काबू पा लिया गया है। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नही है। आग की चपेट में आने से कई शिविर जलकर खाक हो गए। गौरतलब है कि 20 दिन के भीतर महाकुंभ में आग लगने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले सेक्टर 19, सेक्टर 22 आग लगी थी। हालांकि इन तीनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

संभल में तोड़फोड़ : सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने संभल में संपत्तियों को ढ़हाने के फैसले का कथित तौर पर उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली एक याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता मोहम्मद गयूर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता से कहा कि वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पीठ ने कहा, ष्हमें लगता है कि इस मुद्दे को संबंधित अधिकार क्षेत्र वाला उच्च न्यायालय द्वारा ही सबसे बेहतर तरीके से निपटान किया जा सकता है। इसलिए, हम याचिकाकर्ता को अधिकार क्षेत्र वाले उच्च न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता देते हुए वर्तमान याचिका का निपटारा करते हैं।ष शीर्ष अदालत ने कहा कि 13 नवंबर, 2024 के अपने फैसले में उसने स्वतंत्रता दी थी कि यदि कोई उल्लंघन होता है, तो अधिकार क्षेत्र वाला उच्च न्यायालय शिकायत पर विचार करने का हकदार होगा।

केजरीवाल के घर पहुंची ACB, आप की लीगल टीम का दावा, बिना नोटिस आए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के विधायकों को रिश्वत की पेशकश के आरोपों पर एसीबी जांच कराने के लिए दिल्ली एलजी के प्रमुख सचिव द्वारा मुख्य सचिव को पत्र लिखने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक टीम आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंची। हालांकि, इसको लेकर विवाद बढ़ गया है। अरविंद केजरीवाल के वकील ऋषिकेश कुमार ने कहा कि जांच या तलाशी के लिए किसी के आवास में प्रवेश करने के लिए संबंधित एजेंसी के पास ऐसा करने का लिखित आदेश होना चाहिए। ऋषिकेश कुमार ने कहा कि कानूनी आदेशों के बिना किसी की संपत्ति में प्रवेश करना गैरकानूनी है और इसे अतिक्रमण माना जाता है। उन्होंने कहा कि वे उस पीले लिफाफे में स्टेशनरी का सामान ले जा रहे थे। उन्हें अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंचने के लिए कहा गया था और वे बिना किसी आधिकारिक दस्तावेज के यहां पहुंच गए।

विधानसभा चुनाव से पहले चढ़ा सियासी पारा

संसद भवन में पीएम मोदी से मिले बिहार एनडीए के 30 सांसद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल–यूनाइटेड (जेडी (यू) और अन्य राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सहयोगियों के नेताओं सहित बिहार के लगभग 30 संसद सदस्यों ने अपने राज्य के लिए हालिया बजट घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त करने के लिए आज संसद में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह बैठक सांसदों के लिए एक साथ आने और बिहार के विकास के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता में प्रधान मंत्री के साथ एकजुटता दिखाने का एक अवसर था। सम्मान और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में, बिहार के सांसदों ने प्रधान मंत्री मोदी को एक सुंदर ढंग से तैयार की गई पेंटिंग भेंट की। यह इशारा प्रधान मंत्री के सम्मान का एक पारंपरिक रूप था, जो बिहार में एनडीए गठबंधन के सांसदों के बीच एकता पर जोर देता है। पेंटिंग की प्रस्तुति के साथ–साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, ललन सिंह और

चिराग पासवान जैसी प्रमुख हस्तियों की तस्वीरें भी ली गईं। सांसदों ने सरकार के बजटीय उपायों की गहरी सराहना की और उनका मानना घ्छै कि इसका बिहार की प्रगति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एलजेपी–रामविलास सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि बिहार और यहां के मुद्दों को गंभीरता से लेने वाले तमाम जन प्रतिनिधि आज पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। हमने अपना आभार व्यक्त किया, उन्हें मखाने की माला पहनाई और उनका आशीर्वाद मांगा। उन्होंने हमसे कहा कि एनडीए एक मजबूत और विकसित बिहार का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष बिहार को लेकर गंभीर नहीं है. जब राज्य में कुछ अच्छा होता है तब भी उन्हें समस्या होती है। यह बैठक राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच भी थी। सांसदों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि बिहार का विकास जारी रहे और अपनी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जाए, केंद्र सरकार के साथ काम करने के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया। अपने जवाब में, प्रधान मंत्री मोदी ने राष्ट्रीय संदर्भ में बिहार के महत्व को स्वीकार किया और सांसदों को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राज्य के विकास का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने राज्य की चुनौतियों का समाधान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला कि बिहार की क्षमता का एहसास हो।

आयोग महाराष्ट्र की एकीकृत मतदाता सूची नहीं देगा तो जाएंगे न्यायालय : राहुल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में गड़बड़ी करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से महाराष्ट्र में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मतदाताओं की विस्तारपूर्ण सूची मांगी है और कहा है कि यदि सूची उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो इस मुद्दे को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। श्री गांधी ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महाराष्ट्र मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है इसलिए कांग्रेस तथा राज्य के तीनों प्रमुख विपक्षी दलों को महाराष्ट्र चुनाव से जुड़ी मतदाताओं की वह एकीकृत और फाइनल सूची मांगी है, जिसपर लोक सभा और विधानसभा में मतदान हुआ है। चुनाव आयोग यह सूची तुरंत दे सकता है, पर नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि यह सूची उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो इस मामले को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। श्री गांधी ने कहा, "पांच साल में जितने मतदाता महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट में जोड़े गए, उससे ज्यादा मतदाता सिर्फ पांच महीने में जोड़ दिए गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2019 से लेकर लोकसभा

चुनाव 2024 के बीच महाराष्ट्र में 32 लाख मतदाता जोड़े गए। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के पांच महीने के बीच 39 लाख नये मतदाता जोड़ दिए गए। सवाल है– जोड़े गए ये मतदाता कौन हैं और कहां से आए।" उन्होंने कहा "महाराष्ट्र की व्यस्क जनसंख्या 9.54 करोड़ है, लेकिन चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र में 9.70 करोड़ मतदाता हैं। मतलब चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र में जनसंख्या से ज्यादा मतदाता हैं। एक उदाहरण– कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में कामठी निर्वाचन क्षेत्र में 1.36 लाख वोट मिले, ये चुनाव कांग्रेस जीत गई।

वसंत पंचमी के बाद भी नहीं कम हो रही जन आस्था, स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के पार पहुंची

प्रयागराज। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत–प्रोत साधु–संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शुक्रवार तक स्नान करने वालों की संख्या 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अभी महाकुंभ 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नान करने वालों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है।

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ–साथ देश–विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु–संत शामिल रहे।

अब तक स्नान करने वालों पर विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2–2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्य सभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे, गोरखपुर के सांसद रवि किशन, हेमा मालिनी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव श्शनिरहुआश्श, बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री, अनुपम खेर, मिलिंद सोमण, साइना नेहवाल, एक्ट्रेस से किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, क्रिकेटर सुरेश रैना, रेसलर खली, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी संगम में स्नान कर चुके हैं। आगामी 10 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी संगम में पावन डुबकी लगाने आएंगी।

वीआईपी नेताओं में आठ फरवरी को नागालैंड के राज्यपाल, सिक्मिक के मुख्यमंत्री दस फरवरी को अरूणाचंल और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के आने का प्रोटोकॉल आ चुका है। इसके अलावा बीस से अधिक केंद्रीय एवं अन्य प्रदेशों के मंत्रियों एवं मुख्यमंत्रियों के आने की संभावना है। फिल्म अभिनेत्री भी मेले में आ सकती है। वैसे उनका अभी लिखित कार्यक्रम तय नहीं हो सका है।

महाकुंभ मेले में देश के कोने – कोने से वीआईपी आ रहें हैं। सभी अपना प्रोग्राम भेजने के बाद टेंट सिटी में कमरा और मोटर वोट की डिमांड कर रहें हैं। मेला प्रशासन ने पहले 150 कमरे का इंतजाम किया था, लेकिन आने वालों की संख्या को देखते हुए 60 कमरे की संख्या और बढ़ाई गई हैं। जो भी वीआईपी आ रहे हैं उनके साथ 15 से 20 की संख्या रह रही है। सभी को दस से अधिक कमरे की जरूरत पड़ रहीं है। ऐसे में मेला प्रशासन की परेशानी पड़ गई हैं।

10 जनपदों के विद्यार्थियों ने मेला किया भ्रमण

प्रयागराज। कानपुर प्रांत के 10 जनपदों से छात्र–छात्राएं महाकुम्भ नगर स्थित विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के शिविर में पहुंचे। इन विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी रहे। सभी ने पुण्य की डुबकी लगाई। मेला का भ्रमण किया। विद्या भारती की ओर से संस्कार केंद्र कुम्भ दर्शन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत दूसरे प्रांतों के अभावग्रस्त बच्चों को महाकुम्भ का भ्रमण कराया जा रहा है। विद्या भारती काशी प्रांत के प्रांत प्रचार प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि कानपुर प्रांत (नगरीय एवं ग्रामीण) के 10 जिलों के संस्कार केंद्रों से 724 छात्र–छात्रा और अभिभावक बुधवार को शिविर में पहुंचे थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र, डॉ. राम मनोहर, रजनीश, शेषधर द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में साक्षात्कार की तिथि घोषित

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विषय के संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट–2024) के लेवल टू यानी साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित कर दिया गया है और विभाग के सूचना पट पर चस्पा कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अवंटित ईकाई के कार्यालय में सम्पर्क कर औपचारिकता पूर्ण कराकर प्रवेश के लिए 20 फरवरी तक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में जमा कर दें।

चाइनीज मंझे से संविदा कर्मी घायल, हालत गंभीर

प्रयागराज, संवाददाता। करैलाबाग उपकेंद्र में तैनात बिजली विभाग के संविदा कर्मी उमेश निषाद का गला गुरुवार दोपहर चाइनीज मंझे से कट गया। खून से लथपथ हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कई टांके लगाए। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी उपखंड अधिकारी राजवीर कटारिया ने उच्चाधिकारियों को दी है। करेली क्षेत्र निवासी उमेश निषाद गुरुवार दोपहर बकायेदारों को नोटिस देने के लिए बाइक से निकले थे। करैलाबाग मोहल्ले में अचानक उनके गले में चाइनीज मंझा फंस गया। जब तक वे बाइक रोक पाते, मंझे से उनका गला गहराई तक कट गया। राहगीरों ने उन्हें खून से लथपथ देखा और मदद की। उमेश ने बताया कि वह करैलाबाग उपखंड में तैनात संविदा कर्मी हैं, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। एसडीओ राजवीर कटारिया ने अवर अभियंता समेत अन्य बिजली कर्मियों को मौके पर भेजा।

महाकुम्भ में 15773 लोग बीमार, 268 मरीज भर्ती

महाकुम्भ नगर। मौसम में उतार–चढ़ाव के चलते गुरुवार को केंद्रीय अस्पताल व मेला क्षेत्र के अन्य अस्पतालों में मरीजों की कतार लगी रही। ओपीडी में 15773 मरीज पहुंचे जिनका इलाज किया गया। साथ ही 268 मरीजों को भर्ती किया गया। केंद्रीय अस्पताल के आईसीयू में 10 मरीजों को भर्ती किया गया। कैंट अस्पताल की ओर से संचालित 10 बेड के आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों का उपचार डॉ घ सिद्धार्थ पांडेय के मार्गदर्शन में टीम ने किया। सेक्टर–20 में स्थित उप–केंद्रीय अस्पताल में एम्स रायबरेली की ओर से संचालित 23 मरीजों को भर्ती किया गया। डॉक्टरों के अनुसार भर्ती मरीजों में सर्दी, जुकाम, बुखार, उल्टी–दस्त, सीने में दर्द, पैर में चोट–मोच व हार्ट अटैक के रहे। उपचार के बाद मरीजों की स्थिति सामान्य है।

बेसहारा को आश्रय दे रहा आधारशिला

महाकुम्भ नगर। नैनी स्थित आधार शिला वृद्धाश्रम की से श्रद्धालुओं की मदद के लिए छिवकी रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र तक लाने के लिए निरूशुल्क दो पहिया वाहन की व्यवस्था की गयी है। इसका लाभ कोई भी श्रद्धालु उठा सकता है। वृद्धाश्रम प्रमुख शशांक गोस्वामी ने बताया कि मेला क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति अपनों से बिछुड़ गया हो तो यहा बेसहारा हो उसके लिए संस्थान के वृद्धाश्रम में भोजन–आवास की निरूशुल्क व्यवस्था की गयी है। मेले में अपनों से बिछुड़े हुए चार लोग इस समय आधारशिला वृद्धाश्रम में रुके हुए हैं।

जीवन की दुश्वारियों भी तपस्या से डिगी नहीं सकीं

महाकुम्भ नगर। संगम की रेती पर एक बार कल्पवास का संकल्प लेने के बाद उसे हर परिस्थिति में पूरा करना होता है। इसीलिए अपनी आस्था, अवस्था व व्यवस्था के अनुसार कल्पवासी निर्धारित अवधि तक के लिए संकल्प लेते हैं। संकल्प बाधित न हो इसके लिए हर संभव प्रयास भी करते हैं। चित्रकूट की रहने वाली प्रेमावती ने पति राधेश्याम के साथ पौष पूर्णिमा को सेक्टर पांच में कल्पवास शुरू किया था। पांच ही दिन बीता था कि ढाई साल का पौत्र छत से गिर गया उसके सिर में सरिया धंस गयी। उसका एसआरएन में ऑपरेशन होना था। बच्चे को देखने के लिए सेक्टर पांच से थोड़ी दूर पैदल चलीं कि एक चार पहिया वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे उनका दाहिना पैर टूट गया। एक साथ दो मुशीबत होने के बावजूद प्रेमावती की आस्था नहीं डिगी। उन्होंने पैर में प्लास्टर बंधवाया और कल्पवास को जारी रखा।

सकुशल आयोजन के लिए पुलिस कर्मियों को बधाई

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के तीन शाही स्नान सकुशल होने के बाद निरंजनी अखाड़े की छावनी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने मेला प्रशासन, पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया। श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि महाकुम्भ मेला एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है जो विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। जब यह मेला सकुशल सम्पन्न होता है, तो शासन और प्रशासन की मेहनत और प्रबंधन की मेहनत रंग लाती है। इस सफलता के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी बधाई दी। आनंद पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालका नंद गिरि ने कहा की अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी के सानिध्य में होने वाले महाकुम्भ कों लेकर मेला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा की गई कड़ी मेहनत, योजना और समर्पण के कारण ही यह आयोजन शांति और सुरक्षित रूप से सम्पन्न हो रहा हैं।

सुबह से प्रयागराज जंक्शन पर फिर से लागू हो गया वनवे

प्रयागराज। महाकुम्भ के मौके पर प्रयागराज जंक्शन आने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्टेशन पर यात्रियों का क्रास मूवमेंट न हो इसके लिए रेलवे प्रशासन प्रयागराज जंक्शन पर एक बार फिर से वनवे सिस्टम लागू कर दिया है। शुक्रवार सुबह आठ बजे से यह व्यवस्था लागू हो गया।

फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने संगम में डुबकी लगाई, बोले- अद्भुत अनुभव

प्रयागराज। फिल्म अभिनेता राजकुमार राव शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद अरैल स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम में पहुंचकर स्वामी चिदानंद सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया। राजकुमार राव ने कहा कि यूपी सरकार ने बहुत अच्छी

व्यवस्था की है। इतने बड़े पैमाने पर व्यवस्था करना एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और यहां पर व्यवस्था में लगे प्रशासनिक अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। अभिनेता ने कहा कि हम 12 साल पहले भी यहां आए थे। वो अनुभव जीवन बदल देने वाला था। राजकुमार राव ने कहा कि मुंबई से सीधे हम स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचे। उनका आशीर्वाद लिया। स्वामी जी ने ईको फ्रैंडली कैंप लगाया है जो काफी अच्छा है। महाकुंभ जो कि गिनीज बुक में भी दर्ज है। यहां पर श्रद्धालु पूरी भक्ति से आते हैं। लोग काफी पैदल चलकर यहां पर पहुंचते हैं, लेकिन संगम में डुबकी लगाने के बाद उनकी सारी थकान दूर हो जाती है और जो शांति मिलती है उससे बड़ा सुख और कुछ नहीं है।

हाईवे पर सड़क किनारे खड़े वाहन से टकराई कार, एक महिला समेत तीन लोगों की मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के हंडिया कोखराज हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े अज्ञात वाहन कार टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, इसमें एक महिला भी शामिल है। हादसा हाईवे के ओवरब्रिज पर हुआ। सोरांव थाना क्षेत्र के हंडिया कोखराज हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े अज्ञात वाहन कार टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, इसमें एक महिला भी शामिल है। हादसा हाईवे के ओवरब्रिज पर हुआ। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। घटना के बाद काफी देर तक जाम की स्थित बनी रही। पुलिस क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर आवागमन शुरू कराया।

शुक्रवार दोपहर सोरांव के भावापुर गांव के निकट से गुजरे हंडिया–कोखराज हाईवे ओवर ब्रिज पर खड़े अज्ञात वाहन के पीछे से कार टकरा गई। कार कानपुर की तरफ से वाराणसी की ओर जा रही थी। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसका आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार दो पुरुष और एक महिला की मौत हो गई।

घटना के बाद काफी देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार में फंसे तीनों शवों को क्रेन के मदद से बाहर निकलवाया।शवों को पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया गया है। कार में मिले मोबाइल तथा कागजात के आधार पर कार स्वामी तथा मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

इंजीनियरिंग के छात्र ने प्राइवेट पार्ट में फंसाई बोतल, डॉक्टरों ने निकाली

प्रयागराज। गाजीपुर से महाकुंभ देखने आए इंजीनियरिंग के एक छात्र ने अपने प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल फंसा ली। तनाव बढ़ने पर वह दर्द के मारे चीखने–चिल्लाने लगा। उसे एसआरएन हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने बोतल काटकर निकाली। डॉक्टरों के मुताबिक, अश्लील सामग्री देखने की वजह से यह घटना हुई है। महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के लिए 20 साल का यह युवक 27 जनवरी को घर से अकेले ही यहां आया था। वह मेला क्षेत्र में ही एक जगह ठहरा था। इसी दौरान शौचालय में उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। असहनीय दर्द होने पर उसे मेडिकल कॉलेज के एसआरएन हॉस्पिटल लाया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रवक्ता और सर्जन डॉ. संतोष सिंह के मुताबिक, अस्पताल लाए गए युवक ने प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की एक लीटर वाली बोतल फंसी हुई थी।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने संगम में लगाई डुबकी, श्री बड़े हनुमानजी के दरबार में लगाई हाजिरी

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संग में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने मां गंगा का पूजन करने के बाद संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन किया।

महाकुंभ में उमड़ रहे आस्था के जनसमुद्र के बीच शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी श्रद्धा की डुबकी लगाने पहुंचे। संगम त्रिवेणी में स्नान करने के बाद उन्होंने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में स्नान मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने संगम स्नान से पूर्व बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और फिर सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन का भी अवलोकन किया। त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। भूपेंद्र पटेल ने कहा, ष्प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं अद्भुत हैं। स्वच्छता से लेकर हर सुविधा तक, सब कुछ बहुत ही अच्छा

है।ष गुजरात सीएम ने कहा, ष्हमें पवित्र स्नान करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

त्रिवेणी संगम, जो भारत की आस्था का केंद्र है, वहां स्नान करने के बाद हर व्यक्ति स्वयं को भाग्यशाली मानता है।ष मुख्यमंत्री ने गंगा पूजन और गंगा आरती भी की।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार सुबह नौ बजे स्टेट एयरक्रॉफ्ट से प्रयागराज पहुंचे। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उनका स्वागत किया। मोटरबोट से पूरी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री त्रिवेणी संगम पहुंचे और यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने भगवान सूर्य को अर्घ्य भी दिया। उनके साथ औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी पावन डुबकी लगाई। इसके बाद यहां से वह सीधे बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजन अर्चन किया और आरती उतारी। मंदिर के महंत और बाघंबरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि जी महाराज की ओर से मुख्यमंत्री को लेटे हनुमान मंदिर की प्रतिकृति भेंट की गई।

श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सेक्टर सात स्थित गुजरात पवेलियन पहुंचे। यहां उन्होंने पवेलियन का अवलोकन किया। गुजरात पवेलियन में उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, साबरमती आश्रम और सूर्य मंदिर की प्रतिकृतियों का निरीक्षण किया, जबकि मेडिकल कैंप, लिट्रेचर स्टॉल और अन्य गैलरी का भी मुआयना किया। यहां वो गुजरात के उत्पादों की प्रदर्शनी में भी गए और सभी व्यवस्थाओं को सराहा। गुजरात से भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उन्होंने यहां 400 बेड की एक डॉरमेट्री का भी शुभारंभ किया।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने संगम में लगाई डुबकी, श्री बड़े हनुमानजी के दरबार में लगाई हाजिरी

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने संगम में लगाई डुबकी, मां के साथ पहुंचीं महाकुंभ

प्रयागराज। फिल्म अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने गुरुवार को संगम में डुबकी लगाई। वह अपनी

मां के साथ प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने यहां की व्यवस्था को लेकर योगी सरकार की सराहना की। कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लगा। यहां यूपी सरकार ने काफी अच्छी व्यवस्था की है। मैंने सोशल मीडिया पर एक रील देखी थी, जिसमें एक बुजुर्ग महिला खो गई थी। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि यहां इतनी भीड़ होती है कि लोग यहां आकर खो जाते हैं। मगर सरकार ने इतनी अच्छी व्यवस्था की है कि जो खोए, वे फिर से अपने परिवार को मिल गए।"

आस्था, अध्यात्म एवं सनातन परम्पराओं के विराट समागम एवं विश्व के सबसे बड़े धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन महाकुम्भ में सम्मिलित होने के लिए संगम नगरी प्रयागराज पहुंचीं अभिनेत्री ईशा गुप्ता, उनकी माता सामाजिक कार्यकर्ता रेखा गुप्ता एवं अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक श्री इंद्रेश उपाध्याय का नन्दी सेवा संस्थान के शिविर में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने स्वागत और अभिनन्दन किया।

सभी अतिथिगण महाकुंभ की भव्यता, दिव्यता एवं वैभव से काफी प्रभावित थे। जिन्होंने तीर्थराज प्रयागराज की महिमा को प्रणाम किया। अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने विश्व के इस सबसे बड़े आयोजन में व्यवस्था के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी की सराहना करते हुए युवाओं को खास संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, "आप किसी भी धर्म से हों, बस खुद को लेकर ईमानदार रहें। विदेश से भी लोग यहां स्नान के लिए आ रहे हैं, तो आप भी आइए।"

वेब सीरीज 'आश्रम' फेम अभिनेत्री ईशा गुप्ता से जब पूछा गया कि फिल्मी हस्तियां भी महाकुंभ में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो क्या यह केवल एक ट्रेंड हैं? इस पर उन्होंने कहा, " एक्टर्स का काम एक्टिंग करना है न कि दूसरों पर कमेंट करना। मैं यहां एक भारतीय व सनातनी की हैसियत से आई हूं, तो यही कहूंगी कि आप भी यहां आइए।"

अभिनेत्री ईशा गुप्ता से पहले पूनम पांडे, किटू गिडवानी, फिल्म निर्माता कबीर खान, कॉमेडियन–अभिनेता सुनील ग्रोवर, गायक–अभिनेता गुरु रंधावा, अविनाश तिवारी, अनुपम खेर, भाग्यश्री, रेमो डिसूजा, सिद्धार्थ निगम, प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा, तनीषा मुखर्जी, ममता कुलकर्णी समेत कई मशहूर हस्तियां महाकुंभ में पहुंच चुकी हैं।

महाकुंभ में इस्कॉन के शिविर में लगी आग, 3 सिलेंडर फटे

प्रयागराज महाकुंभ में तीसरी बड़ी घटना सामने आई है। महाकुंभ में फिर आग लग गई। मेला क्षेत्र के सेक्टर–19 शंकराचार्य मार्ग पर इस्कॉन के शिविर में शुक्रवार सुबह आग लग गई। आग में कई कॉटेज जलकर राख हो गए। सूचना पर तत्काल दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन दल आग पर काबू पा लिया है। आग में कोई हताहत नहीं है।

दरअसल, इस शिविर में महाराज कॉटेज लगे थे, जिसमें एसी लगाए गए थे। एसी का गैस सिलेंडर फटने से आग लगने की बात सामने आई। वहीं कुंभ प्रशासन ने बताया कि मेला क्षेत्र के सेक्टर 19 में लगी आग को नियंत्रित कर लिया गया है। उपरोक्त घटना मे कोई जनहानि नहीं हुई है न ही कोई घायल हुआ है।

आपको बता दें कि इसके पहले महाकुंभ में गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर से भीषण आग लग गई थी। संयोग की बात थी कि आग में कोई जनहानि नहीं हुई थी। केवल एक महिला आंशिक रूप से जली है और एक व्यक्ति आग के बाद मची भगदड़ में घायल हुआ था। इसमें सौ से ज्यादा कॉटेज जलकर खाक हो गए थे। प्रशासन ने सिलेंडर से रिसाव को आग का कारण बताया था।

महाकुंभ की छठा देख गदगद हुए राज्यपाल आरिफ खान

प्रयागराज। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पहंचे हुए। महाकुंभ में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का गुरूवार को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने स्वागत किया। यूपी सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, राज्यपाल परमार्थ निकेतन शिविर पहुंचे, जहां उन्हें स्वामी चिदानंद सरस्वती जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आध्यात्मिक चिंतन, भारतीय संस्कृति, गंगा संरक्षण और वैश्विक शांति के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने राज्यपाल को महाकुंभ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रबंधों से अवगत कराया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और आध्यात्मिक आयोजनों के सुचारू संचालन पर विस्तार से जानकारी दी। बोट से राज्यपाल ने महाकुंभ की भव्यता को जाना। वो गंगा आरती में शामिल हुए। इस दौरान उन्होने हवन–पूजन किया राज्यपाल ने महाकुंभ की अलौकिक अनुभूति को अविस्मरणीय बताते हुए आयोजन की भव्यता और राज्य सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना की। राज्यपाल ने महाकुंभ को भारत की आध्यात्मिक विरासत का गौरव बताते हुए कहा कि यह आयोजन संपूर्ण विश्व को शांति, एकता और सेवा का संदेश देता है। उन्होने कहा कि महाकुंभ हमारी विरासत का उत्सव है। मानव ही माधव का रूप है। आपको बता दें प्रयागराज महाकुंभ में 13 जनवरी से अब तक 30 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इस बार महाकुंभ में करीब 40 करोड़ से ज्यादा लोग स्नान करने आ सकते हैं।

कर चोरी के मामले में फर्म संचालक ने जमा किए 60 लाख रुपये

प्रयागराज। राज्य जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई में मोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में कर चोरी का मामला सामने आया। गुरुवार को की गई छापेमारी में अधिकारियों ने लाखों की कर चोरी पकड़ते हुए दस्तावेज जब्त किए। जांच के दौरान फर्म संचालक ने मौके पर ही 60 लाख रुपये जमा कर दिए। हालांकि, अभी कागजातों की गहन जांच जारी है, जिसके बाद कर चोरी की वास्तविक राशि का खुलासा होगा। एडीशनल कमिश्नर ग्रेड–1 मुक्तिनाथ वर्मा, ग्रेड 2 दीनानाथ और ज्वाइंट कमिश्नर शक्ति प्रताप सिंह के निर्देश पर डिप्टी कमिश्नर संजीव कुमार के नेतृत्व में असिस्टेंट कमिश्नर राजेंद्र यादव, राजेश सिंह और अरविंद की टीम ने यह कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान शोरूम में कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने लैपटॉप, बिलिंग कागजात और अन्य दस्तावेज जब्त किए। फर्म के स्टॉक और बिक्री कागजातों में गड़बड़ी पाई गई, जिससे कर चोरी का मामला उजागर हुआ। जीएसटी विभाग के अनुसार, फर्म संचालक ने 60 लाख रुपये तो जमा कर दिए हैं, लेकिन जांच पूरी होने के बाद कर चोरी की कुल राशि स्पष्ट होगी। इस मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

रज्जू विवि में कुम्भ पर्व की वैज्ञानिकता विषयक संगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शुक्रवार को प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के ळ–6 सभागार में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित एकदिवसीय अन्ताराष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति अखिलेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग डॉ. प्रेमराज न्योपाने ने कहा कि महाकुम्भ खगोलीय गणनाओं पर आश्रित है तथा धार्मिक दृष्टि से ही नहीं अपितु पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सारस्वत

अतिथि प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह तथा डॉ. विनोद कुमार सहयुक्त आचार्य संस्कृत विभाग इलाहाबाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाकुम्भ एक प्राचीन परम्परा है, स्नान से पुण्य प्राप्ति का वर्णन ऋग्वेद के खिल सूक्त में प्राप्त होता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि कुम्भ हमारी आत्मा से जुड़ा पर्व है ।कार्यक्रम के द्वितीय सत्राध्यक्ष के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि बारह वर्ष के अन्तराल पर लगने वाला कुम्भ हमारे लिए वैक्सीन की तरह है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. प्रशान्त आस्ट्रेलिया से आभासीय पटल पर उपस्थित होकर कहा कि कुम्भ पर्व पर्यावरण संचेतना को विकसित करता है ।सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. आशुतोष कुमार सिंह अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि कुम्भ पर्व विविध रंगों का केन्द्रबिंदु है। प्रो. मञ्जुलता तथा प्रो. राजेन्द्र त्रिपाठी रसराज ने कहा कि कुम्भ कल्पवासियों की साधना का प्रतिफल है। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आरूणेय मिश्र प्रभारी संस्कृत विभाग यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज ने अपने वक्तव्य में आठ सिद्धियों के वैज्ञानिक महत्त्व को बताया। डॉ सुरेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि गंगा में बैकटीरियोफेज होता है जो रोगजनक विषाणु को मारता है। डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव ने महाकुम्भ के पर्यावरणीय चेतना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाकुम्भ वैज्ञानिकों के लिए एक प्रयोगशाला है। संयोजक डॉ. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कुम्भ की वैज्ञानिकता पर अपने उद्गार प्रकट किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. पीयूष मिश्र ने किया। डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर नितिन, अनन्तजी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, ऋषभ त्रिपाठी, पूनम , खुशी , रितु कपाड़िया, कैलाश चन्द्र तिलवाड़ी, मोनिका आदि सैकड़ों शोधार्थी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

जबलपुर से नैनी छह घंटा, वहां से झूंसी पहुंचने में लगा पांच घंटा

प्रयागराज। यातायात जाम की समस्या से निजात नहीं मिल रही है। बीते गुरुवार को दिन में लगा जाम देर रात तक बना रहा। इसके कारण रात में आने वाले भी यात्री परेशान हुए। ऐसा ही कुछ अनुभव करना पड़ा त्रिवेणीपुरम निवासी आशुतोष श्रीवास्तव और उनके परिवार को। गुरुवार को जबलपुर से त्रिवेणीपुरम की यात्रा के दौरान उन्हें नैनी से आगे पांच घंटे तक जाम में फंसे रहना पड़ा, जिससे उनकी यात्रा काफी थकाऊ और परेशानी भरी हो गई। आशुतोष श्रीवास्तव अपने परिवार के साथ गुरुवार दोपहर तीन बजे जबलपुर से कार से त्रिवेणीपुरम(प्रयागराज) के लिए रवाना हुए। उन्होंने जबलपुर से नैनी तक की छह घंटे की यात्रा रात नौ बजे पूरी की। हालांकि, नैनी से आगे की यात्रा में उन्हें भारी जाम का सामना करना पड़ा।

संस्कार भारती के मंच पर प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रयागराज ।संस्कार भारती के मंच पर संस्कार भारती इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई की डा श्रेया श्रीवास्तव ने भजन–गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात पंकज कुमार एवं अवंतिका ने भजन प्रस्तुत किए ।रामबाबू यादव,फूलचन्द यादव,बिन्देश्वर एवं कौशल्या ने लोकगीत प्रस्तुत किए ।सान्वी बासु ने भरतनाट्यम एवं वाराणसी की काजल कोमल ने ष्जहां शौचालय नहीं वहाँ शादी नहींष् नाटक की प्रस्तुति दी।

महाकौशल प्रांत के राकेश कुमार पाठक ने समस्त कलाकारों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया ।कार्यक्रम की उद्घोषणा डा योगेन्द्र कुमार मिश्र ष्विश्वबन्धुष् ने की।

इससे पूर्व माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने संस्कार भारती परिसर में लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया ।प्रदर्शनी रवीन्द्र कुशवाह एवं डा सचिन सैनी के संयोजन में लगाई गयी है जिसमें कुंभ तथा माघमेला के शिविरों में सृजित चित्र प्रदर्शित किए गये हैं इसके अतिरिक्त आजादी के सेनानियों के चित्र भी सम्मिलित किए गये हैं। इस मौके पर ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष गिरीश जी,अखिल भारतीय मंचीय कला संयोजक देवेन्द्र रावत,काशी–प्रांत के संगठन मंत्री दीपक शर्मा,कार्यक्रम कार्यक्रम कार्यक्रम संयोजक सुशील राय तथा चित्रकला के अनेक छात्र–छात्रायें सम्मिलित हुए।

प्रयागराज में बैरिकेडिंग पर इलाहाबाद हाईकोर्ट नाराज, कहा– शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट फेल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था पर गहरी नाराजगी जताई है। आरोप है कि प्रयागराज में सीएम योगी आदित्यनाथ की फ्लीट के लिए हिन्दू हॉस्टल चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात को रोका गया था। वकीलों ने न्यायालय आने के लिए रास्ता देने की मांग की तो उनके साथ पुलिस ने मारपीट की। घटना पर हाईकोर्ट बार की आपराधिक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट फेल है। जगह–जगह बैरिकेडिंग पर भी सवाल उठाया।

कोर्ट ने मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नर, डीएम प्रयागराज,

मेलाधिकारी, डीसीपी ट्रैफिक को हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल से कहा कि वकीलों से मारपीट की निष्पक्ष जांच डीसीपी स्तर के अधिकारी से कराई जाए। यह भी बताया जाए कि ऐसी घटनाएं रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। कोर्ट ने 14 फरवरी को अगली सुनवाई पर विभागीय जांच की स्थिति से भी अवगत कराने के लिए कहा है। इससे पहले हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने घटना पर अपना पक्ष प्रस्तुत किया। कहा कि घटना के समय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद था लेकिन कार्रवाई केवल दो दरोगाओं के खिलाफ हुई। उनकी अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अफसरों ने हाईकोर्ट के वर्ष 2005 के आदेशों का अनुपालन नहीं किया।

वकीलों के साथ मारपीट की कई घटनाएं हुई हैं। इसे लेकर वह हलफनामा तैयार कर रहे हैं जिसमें प्रमाण सहित घटनाओं का जिक्र किया जाएगा। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल और शासकीय अधिवक्ता एके संड ने इस पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने आगे सुनवाई के लिए 14 फरवरी की तारीख लगा दी।

महानिदेशक ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की प्रदर्शनी को पौराणिकता और आधुनिकता का अद्भुत संयोजन बताया

प्रयागराज। आकाशवाणी की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने शुक्रवार को महाकुंभ मेले में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से 'जनभागीदारी से जन कल्याण' और भारत सरकार के विगत 10 वर्षों में उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं योजनाओं पर लगायी गयी मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

महानिदेशक ने इस डिजिटल चित्र प्रदर्शनी की प्रशंसा की और इसे काफी दिलचस्प बताया। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र सरकार की लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया गया है। इस प्रदर्शनी में महाकुंभ व इसके पौराणिक महत्व को भी अत्यंत रोचक अंदाज में

चित्रण किया गया है। ऐसे में इस प्रदर्शनी में आने वाले श्रद्धालुओं को पौराणिकता व आधुनिकता का अदभुत संयोजन लोगों को देखने को मिल रहा है। श्रीमती गौड़ ने इस दौरान पीएम इंटर्नशिप, प्रकाशन विभाग और एनडीआरएफ के स्टाल का भी भ्रमण किया।

इससे पूर्व आकाशवाणी की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा पालीवाल गौड़ सेक्टर चार स्थित आकाशवाणी और दूरदर्शन के अस्थायी केंद्र का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले न्यूज और कार्यक्रमों के बारे में जाना और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी की ओर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से श्रोता महाकुंभ से जुड़ी पल–पल की खबरों से परिचित हो रहे हैं। आकाशवाणी की विशेष एफएम चौनल कुंभवाणी (एफएम 103. 5 मेगाहर्ट्ज) के माध्यम से लोगों तक महाकुंभ से जुड़ी सूचनाएं पहुंचाई जा रही है। इस कार्यक्रम को लेकर श्रोताओं में काफी उत्साह देखा गया। महानिदेशक ने कहा कि कुंभवाणी चौनल महाकुंभ से जुड़ी हर गतिविधि पर आधारित कई कार्यक्रम भी प्रसारित कर रहा है।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ में त्रि–दिवसीय ज्ञान चौतन्य महासभा 9 फरवरी से

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ, पिठापुरम के नवम पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में आगामी 9 से 12

फरवरी तक त्रि– दिवसीय वार्षिक ज्ञान जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वे पीठम के प्रधान आश्रम में शुक्रवार को आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश–विदेश से लगभग 36,000 सदस्य भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एक ऐसा तीर्थस्थल है जो आधुनिक मानवता मंदिर के रूप में उभर रहा है, जो यह उद्घोषणा करता है कि मानवता ही धर्म है और मानवता ही ईश्वरत्व है।

संवाददाता सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए पीठम के संयोजक पेरूरी सुरीबाबू ने कहा कि 97वीं वार्षिक ज्ञान चौतन्य महासभा 9, 10 और 11 फरवरी को विनिश्चत सम्मेलन में भाग लेने वाले सदस्यों के लिए सम्मेलन स्थल पर ही भोजन की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में बोलते हुए पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि वर्ष 1472 में स्थापित यह पीठ पिछले 553 वर्षों से आर्ष सूफी दर्शन के सार को एकता के रूप में प्रचारित कर रही है। उन्होंने कहा कि पांचवें पीठाधिपति के निधन के बाद 1928 से हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष में तीन दिनों तक महान सभाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें आम आदमी और नेताओं को दार्शनिक ज्ञान दिया जाता है।

यह बताया गया कि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एक शैक्षिक केन्द्र है जो जाति, धर्म, नस्ल, रंग, लिंग या वर्ग के भेदभाव के बिना सभी मनुष्यों की समानता के लिए ऐसा दर्शन सिखाता है जो सभी के लिए व्यावहारिक है।

इस अवसर पर पीठम के ग्रामीण विकास प्रभाग के प्रमुख डॉक्टर पिंगली आनंद कुमार ने पीठम द्वारा ग्रामीण अंचल में किये जा रहे विकास कार्यों और वहां के जरूरतमंदों की सेवा की जानकारी पत्रकारों को दी। केंद्रीय कमेटी के सदस्य एन टीवी प्रसाद वर्मा ने अपने संबोधन में पत्रकारों से विकासमूलक आध्यात्मिक पत्रकारिता करने की अपील की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार मधुसूदन राव तथा ल. अशोक समेत पिठापुरम के सीआई श्रीनिवास, एसआई जॉन बाशा को शाल ओढाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीठम के केंद्रीय समिति के सदस्य एनटीवी प्रसाद वर्मा, पिंगली आनंद कुमार, एवीवी सत्यनारायण, मीडिया संयोजक अकुला रवि तेजा और अन्य उपस्थित थे।

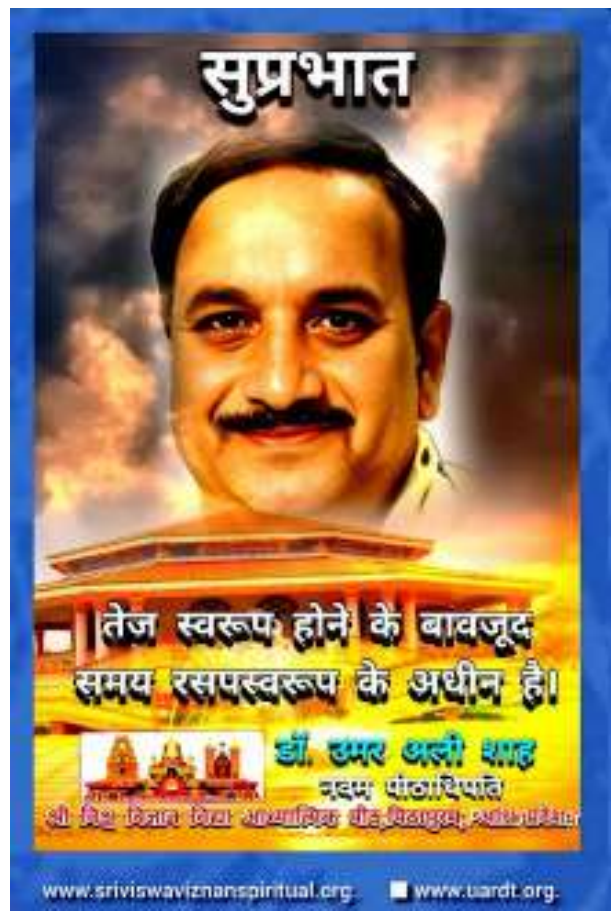

सुनो माघ–व्याख्यान

(कुण्डलिया)

संगम तट पर बैठकर, कर गंगा का ध्यान।
जीवन रंग–वसन्त का,सुनो माघ–व्याख्यान।
सुनो माघ व्याख्यान, समझकर गीता वाणी।
होगा तब कल्याण,सुनो रे!जग के प्राणी।
सुन लो कहें प्रदीप,यहाँ का जीवन– जंगम।
खुशियों का बन रंग, कहे पावन है संगम। ।

ऋतु वसन्त का साथ पा, सर्दी बनकर सन्त।
हरियाली दे खेत को,बाँटे हर्ष–अनन्त।
बाँटे हर्ष–अनन्त, बैठ संगम के तट पर।
आनन्दित हो भक्त, चले तब झटपट–झटपट।
सुन लो कहें प्रदीप,माघ का अद्भुत खेला।
है तम्बू का है शहर,कुम्भ का पावन मेला।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने संस्कार भारती मंच पर कलाकारों को किया सम्मानित

प्रयागराज। ससंस्कार भारती के माहेश्वर परिसर महाकुंभ 2025 में राष्ट्रीय है कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन दर्शकों का आकर्षण का केंद्र बन गया है हजारों दर्शकों ने इसे देखा और सराहा है प्रदर्शनी संयोजक डॉ सचिन सैनी एवं व वरिष्ठ कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि बृहस्पतिवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुधीर नारायण अग्रवाल ने किया तथा मंच पर कला प्रदर्शनी में प्रतिभागी इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 35 कला

विद्यार्थियों एवं नवोदित कलाकारों को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित। विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय महामंत्री अश्विन दलवी ने मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण को अंग वस्त्र से मंच पर सम्मानित किया एवं राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीशचन्द्र मिश्र ने कलाकारों के सृजनशीलता की जमकर प्रशंसा की। पंडाल में डेकोरेशन,अल्पना एवं सेल्फी प्वाइंट बनाने वाले कलाकारों को भी न्यायमूर्ति ने सम्मानित किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई की श्रेया श्रीवास्तव ने शानदार गीत संगीत की सांस्कृतिक प्रस्तुति दे तालियां बटोरी।

डॉ सचिन सैनी और रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रदर्शनी का शानदार संयोजन किया, जिसमें संस्कार भारती महाकुंभ 2025 के शिविर संयोजक सुशील राय, अध्यक्ष डॉ योगेंद्र मिश्रा, अखिल भारतीय मंचीय कला संयोजक देवेंद्र रावत,संगठन मंत्री दीपक शर्मा, विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ इंदु शर्मा , गायिका रागनी चंद्रा, कलाकार नागेन्द्र श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष शंभूनाथ श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या रेखा तिवारी आदि ने कलाकारों का उत्साह वर्धन किया।

मौत के मुआवजे के दावेदारों का होगा सत्यापन

प्रयागराज। महाकुम्भ के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या की पूर्व रात्रि संगम नोज पर हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के मुआवजे के दावेदारों का सत्यापन होगा। सत्यापन में देखा जाएगा कि मारे गए व्यक्ति के परिवार में मुआवाज किसको दिया जा सकता है। प्रशासनिक प्रतिनिधि और पुलिस सत्यापन कर रिपोर्ट देगी। भगदड़ में उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के लोग मारे गए हैं। हादसे में 30 मौतों की पुष्टि हुई है। मुआवजे को लेकर मृतक के परिवार की राज्य सरकारें सत्यापन रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को भेजेंगी। रिपोर्ट में मारे गए व्यक्ति के परिवार के जिस सदस्य का नाम होगा, उसी को मुआवजा दिया जाएगा। जिन मृतकों का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी हो चुका है, उनके परिवार में मुआवजा लेने वालों का सत्यापन शुरू हो गया है। बिहार के गोपालगंज के दो मृतकों के परिजनों को जल्द मृत्यु प्रमाण पत्र लाने को कहा गया है। यही बात मध्य प्रदेश के छतरपुर के एक पीड़ित परिवार को वहां के प्रशासनिक अधिकारियों ने कही है। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि किसी भी तरह के हादसे में मुआवजा देने की प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। पहले चरण में हादसे में मृतक का शव उनके परिवारों को दिया जा रहा है। शव परिवार के घर तक पहुंचाया जा रहा है। एनाटॉमी विभाग से मिले कागजात के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी होने लगा है।

सम्पादकीय........

जानलेवा वायु प्रदूषण

देश की लगातार खराब होती आबोहवा के बावजूद वायु प्रदूषण व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि जन स्वास्थ्य से जुड़ा यह मुद्दा न तो चुनावी घोषणा पत्रों में नजर आता है और न ही नीति–नियंता ही इस विषय पर संवेदनशील नजर आते हैं। नागरिकों के स्तर पर भी हम वह जागरूकता नहीं ला पाए हैं, जिससे वे जनप्रतिनिधियों को वायु प्रदूषण रोकने के लिये कारगर नीति बनाने के लिये बाध्य कर सकें। हाल ही में सामने आए एक शोध का वह निष्कर्ष चौंकाने वाला है कि दक्षिण–पूर्व एशिया में धूम्रपान न करने वाले लोगों में भी फेफड़े के कैंसर के मामलों में खासी तेजी आई है। एक नया अध्ययन बताता है कि इस संकट की मूल वजह वायु प्रदूषण ही है। हाल ही में 'लैंसेट रेस्पिरेटरी मेडिसिन जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा किया गया है कि साल 2022 में पच्चीस लाख लोगों में इस बीमारी का पता चला था। हालांकि, इस कैंसर का शिकार होने वालों में ज्यादा संख्या पुरुषों की थी लेकिन महिलाओं की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। वहीं दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी यानी आईएआरसी समेत कई अन्य संगठनों के शोधकर्ताओं ने डेटा विश्लेषण के बाद निष्कर्ष दिया कि एडेनोकार्सिनोमा पुरुषों और महिलाओं में कैंसर का एक मुख्य कारक बनता जा रहा है। यानी ऐसा कैंसर जो बलगम और पाचन में मदद करने वाले तरल पदार्थ उत्पन्न करने वाली ग्रंथियों से शुरू होता है। वर्ष 2022 में दुनिया भर में कभी धूम्रपान न करने वाले लोगों के फेफड़ों के कैंसर के 53 से 70 फीसदी मामले इसी कारक की वजह से सामने आए हैं। यह विडंबना ही है कि जहां एक ओर दुनिया में धूम्रपान का प्रचलन कम होता जा रहा है, लेकिन उसके बावजूद धूम्रपान न करने वालों के फेफड़ों में कैंसर का अनुपात बढ़ रहा है। जो कैंसर से संबंधित मृत्यु का पांचवां प्रमुख कारण माना जाता है। निश्चित रूप से दुनिया भर में व्याप्त वायु प्रदूषण के संकट से निबटने के लिये सामूहिक प्रयास व सत्ताधीशों की सक्रियता नजर नहीं आती। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्कीस लाख मौतें वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े अकसर सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का आक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैप मानकों के अंतर्गत कार्रवाई फौरी तौर पर की जाती है। इसके बावजूद सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 का स्तर लगातार बढ़ता ही रहता है। सत्ताधीश इसके लिये पराली जलाने वाले किसानों को जिम्मेदार बताकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। हाल में आए एक अध्ययन में बताया गया है कि अक्तूबर–नवंबर में दिल्ली व एनसीआर में होने वाला ज्यादातर प्रदूषण काफी हद तक स्थानीय कारणों से उत्पन्न होता है। आकाश परियोजना के तहत जापान के एक शोध संस्थान द्वारा कराया गया एक अध्ययन शोध पत्रिका 'एनपीजे क्लाइमेट एंड एटमॉस्फेरिक साइंस' में प्रकाशित हुआ है। जिसमें वर्ष 2022 और 2023 के सितंबर से नवंबर महीनों के दौरान दर्ज किए गए अति सूक्ष्म कणों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। जिसके अंतर्गत पंजाब, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर में तीस सेंसर लगाए गए थे। अध्ययन बताता है कि सूक्ष्म कणों यानी पीएम–2.5 के समग्र स्तर में केवल 14 फीसदी योगदान पराली जलाने के मामलों का था। हालांकि, अध्ययन ने माना कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले ग्रैप की प्रभावशीलता नजर आई है। निश्चित रूप से स्वच्छ वायु के लिए सामाजिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। साथ ही स्थानीय प्रदूषण के कारणों की सख्त निगरानी की भी जरूरत है।

निर्वासन: काम न आई ट्रम्प-मोदी मित्रता

प्रेम शर्मा

अमेरिका ने लगभग 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है। भारत सरकार की सहमति से उन्हें भेजा गया है, जो और भी शर्मनाक है। यानी अभी इसी तरीके से और भी कई जहाज देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर उतरेंगे।

जिस डोनाल्ड ट्रम्प को उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माई फ्रेंड कहकर अपनी बधाइयां दी थीं, उन्हीं ट्रम्प ने मोदी को शरिटर्न गिफ्टश के रूप में 104 भारतीयों को अवैध प्रवासी कहकर एक सैन्य जहाज में भरकर लौटा दिया है– वह भी अपराधियों की तरह हाथ–पांवों में हथकड़ी–बेड़ियां डालकर तथा उनकी कमर को जंजीरों से जकड़ कर। सी–17 ग्लोबमास्टर नामक सेना का जो हवाई जहाज बुधवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, उसमें से उतरने वालों के मन में गहन अपमान का दर्द तो साफ दिख रहा था, पूरा देश इसे लेकर अभूतपूर्व बेइज्जती महसूस कर रहा है जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में उसकी कभी भी नहीं हुई थी। एक ओर तो अपने आप को विश्व गुरु होने का दावा करने वाले मोदी की यह बड़ी कूटनीतिक हार है, तो वहीं दूसरी ओर इस घटना ने यह भी साफ कर दिया है कि भारतीयों का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनमें न राष्ट्रीय गौरव बचा है और न ही मानवाधिकार की चेतना। यह वह वर्ग है जो भारतीय जनता पार्टी का समर्थक तथा हमेशा की तरह मोदी व सरकार के साथ खड़ा है। जो भी हो, भारत सरकार अपने नागरिकों के साथ उनके जीवन की सबसे दुखद व शर्मसार करने वाली घड़ी में साथ खड़े होने में नाकाम रही है। यह पहली खेप है। अमेरिका ने लगभग 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है। भारत सरकार की सहमति से उन्हें भेजा गया है, जो और भी शर्मनाक है। यानी अभी इसी तरीके से और भी कई जहाज देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर उतरेंगे। इस जहाज को अमृतसर इस कारण से उतारा गया था क्योंकि इस खेप में ज्यादातर वे लोग हैं जो पंजाब और गुजरात से हैं। हालांकि जिन ऐसे अवैध प्रवासियों को निकाला जाना है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि के ज्यादा बताये जाते हैं। ट्रेवल एजेंटों को भारी–भरकम राशि देकर बगैर वैध दस्तावेजों के ये लोग अमेरिका में रह रहे थे। कई लोग कनाडा होकर अमेरिकी सीमा को पार करते हुए बेहतर जीवन–यापन की तलाश में उस विकसित देश में पहुंचे थे। ऐसा नहीं कि केवल भारत के ही लोग इस पद्धति से वहां पहुंचे हैं, जिसे शडंकीश तरीका कहा जाता है। अनेक लातिन अमेरिकी, अफ्रीकी तथा एशियाई मुल्कों के लोग अमेरिका जाते हैं। चूंकि इन देशों में आजीविका के पर्याप्त अवसर नहीं हैं तथा समानता और रोजगार के लिहाज से अमेरिका दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है, वहां एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो इसी तरह से वहां पहुंची हुई है। अवसर मिलने पर वे अपने कागजात को ठीक कराते हैं और विभिन्न उपायों से वहां स्थायी व कानूनी रूप से रहने की मंजूरी पा लेते हैं। 2022 में प्रसिद्ध सिने निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अवैध आव्रजन के कथानक पर आधारित इसी नाम से एक फिल्म बनाई थी– डंकी। हालांकि उसमें गैरकानूनी तरीके से लंदन जाने की कहानी है पर इस तरीके को पूरे पश्चिम जगत में अपमानजनक व उपहासात्मक तरीके से डंकी कहा जाता है। 2024 में जब अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव हुआ था तो ट्रम्प ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उनकी अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत ट्रम्प ने ऐलान किया था कि वे अगर जीते तो सभी अवैध प्रवासी खदेड़ दिये जायेंगे। उन्होंने इसके लिये अपने देश को यह कहकर तैयार किया कि अवैध प्रवासियों के कारण अमेरिकियों के लिये अवसर और संसाधन पूरे नहीं पड़ते हैं। इस मुद्दे पर उन्हें समर्थन भी मिला था। इसके तहत उन्होंने अपना वादा पूरा किया। भारत के अलावा ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू तथा इक्वाडोर के प्रवासियों को अमेरिका डिपोर्ट कर चुका है। ये बहुत छोटे देश हैं लेकिन कोलंबिया और मैक्सिको ने न सिर्फ रीढ़ की हड्डी दिखलाई बल्कि अपने नागरिकों के सम्मान की रक्षा भी की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर उतरने की अनुमति नहीं दी। बाद में मैक्सिको ने अमेरिका की सीमा से अपने नागरिकों को वापस लिया तथा कोलंबिया ने अपने जहाज भेजकर उनकी सम्मानजनक स्वदेश वापसी कराई। भारत के लिये यह पूरा वाकया इसलिये दुखद है क्योंकि सरकार ने अमेरिकी प्रशासन के साथ मिलकर ऐसा कोई उपाय ढूंढने की कोशिश ही नहीं की कि अवैध प्रवासी ही सही, लेकिन उनकी सम्मानजनक वापसी हो। भारत सरकार के पास पर्याप्त समय था। भारत ने इसके पहले युद्ध या अन्य परिस्थितियों में अलग–अलग देशों में फंसे भारतीयों को निकाला है। यह माना जा सकता है कि यह विशिष्ट स्थिति है, लेकिन अब कम से कम बचे लोगों की सम्मानपूर्वक वापसी कराई जाये। यह कहकर उन्हें लावारिस नहीं छोड़ा जा सकता कि वे अवैध रूप से गये थे या क्या वे सरकार को बता कर गये थे? भारत को अमेरिकी सरकार से इस बाबत कड़ाई से बात करनी चाहिये क्योंकि बेड़ी–हथकड़ियों में नागरिकों का लाया जाना किसी भी देश के ही लिये नहीं वरन समस्त मानवीयता के लिये एक कलंक है। इस घटना ने जहां एक ओर भारत सरकार की कमजोरी को साबित किया है वहीं उन लोगों की कथित देशभक्ति का भी खुलासा हो गया जो किसी भी कीमत पर सरकार के साथ खड़े होकर उसकी नाकामियों को महिमा मंडित करते हैं। ऐसे लोगों ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि उनके लिये देश का सम्मान कोई मायने नहीं रखता और उनकी पार्टी उनके लिये स्वाभिमान तथा राष्ट्रीय गौरव से बढ़कर है। दुर्भाग्य से यही वह वर्ग है जो देशभक्ति का दावा करता है।

लोकतंत्र को निगलता पूंजीवाद

सर्वमित्रा सुरजन

भापने दूसरे कार्यकाल में कुछ और ज्यादा दबंग होकर शासन करने की मंशा पाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब बेहद खतरनाक खेल खेलने पर उतारू हो गए हैं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के पहले विदेशी मेहमान बने। इस बात से ही जाहिर हो जाता है कि अमेरिका और इजरायल के बीच किस किस्म की घनिष्ठता है। नेतन्याहू से मुलाकात के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गजा पर अमेरिका के नियंत्रण से जुड़ा चौंकाने वाला प्रस्ताव पेश किया। ट्रंप का मानना है कि गजा एक ऐसी जगह है जहां सब कुछ ध्वस्त हो चुका है। अब अमेरिका गजा पट्टी को नियंत्रण में लेकर यहां से जिंदा बमों को हटाकर, पुनर्निर्माण करके अर्थव्यवस्था को गति देने का काम कर सकता है। बकौल ट्रंप फिलीस्तीन के लोग केवल इसलिए गजा वापस जाना चाहते हैं क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। इसलिए ट्रंप ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गजा के 18 लाख लोगों को दूसरे अरब देशों में भेज देना चाहिए, ताकि अमेरिका गजा पर नियंत्रण करे और इस बर्बाद हो चुके फिलीस्तीनी क्षेत्र को फिर से बनाए। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उनके इस ताजा रुख के मायने ये हैं कि वो इजरायल और फिलीस्तीन के विवाद को सुलझाने के लिए दो राष्ट्र सिद्धांत के खिलाफ हैं। तो ट्रंप ने जवाब दिया, इसका दो राष्ट्र या एक राष्ट्र या किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है। गनीमत है कि जवाब देने में ट्रंप ने ईमानदारी दिखाई कि इसका किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है। वैसे भी ट्रंप इस समय जो कर रहे हैं, वही अमेरिका की मंशा हमेशा से रही है। फर्क यही है कि अब तक के राष्ट्रपतियों ने खुलकर गजा पर अधिकार जमाने की बात नहीं की थी, ट्रंप विकास, रोजगार और पुनर्निर्माण जैसे शब्दों की जुगाली करते हुए इस बात को बेझिझक कह रहे हैं। ट्रंप ने गजा पट्टी की तुलना नरक से करते हुए कहा, श्यहां लोगों को कभी जीने का मौका नहीं मिला।श हालांकि उनसे पूछा जाना चाहिए कि गजा को नरक बनाने में अमेरिका की भूमिका के बारे में वे क्या कहेंगे। यहूदियों को बसाने के लिए इजरायल नाम के नए देश का निर्माण आखिर किस की पहल पर हुआ। ट्रंप अब भी गजा के लोगों को दूसरे अरब देशों में भेजने की बात कर रहे हैं, अगर उन्हें भलाई करने का इतना ही शौक है तो क्यों नहीं अमेरिका में उन्हें बसने बुला लेते। अभी तो वे अमेरिका से उन लोगों को भी खदेड़ रहे हैं, जिनके पास अमेरिकी कानून के तहत पूरे कागजात नहीं हैं। ऐसे प्रवासी अवैध कहे जा सकते हैं, लेकिन ट्रंप तो इन्हें अपराधियों की तरह हथकड़ी लगाकर वापस भेज रहे हैं। भारत में भी बुधवार को ऐसे प्रवासी भारतीयों की पहली खेप आई है। वैश्विक स्तर पर यह देश का बड़ा अपमान है। अफसोस की बात यह है कि इतनी बड़ी शर्मिंदगी का अहसास प्रधानमंत्री को नहीं है, वे गंगाजी में डुबकी लगाने का आनंद ले रहे हैं। बहरहाल, गजा पर ट्रंप की योजना पर उनसे पूछा गया कि क्या भविष्य में गजा पर अमेरिका का स्वामित्व होगा, क्या आप किसी संप्रभु क्षेत्र पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं? तो ट्रंप ने कहा, हां. वह अमेरिका की अगुवाई में लंबे समय तक ऐसा नियंत्रण करने की कल्पना कर रहे हैं। उस जमीन के टुकड़े पर अधिकार पाना, उसका विकास करना, हजारों नौकरियां पैदा करना। ये वाकई शानदार होगा। हर कोई इस विचार को पसंद करता है। इस हर कोई में कौन–कौन शामिल है, इसका खुलासा तो अभी नहीं हुआ है, लेकिन मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, फिलीस्तीनी प्राधिकरण और अरब लीग ने एक साझा बयान जारी करते हुए ट्रंप की इस योजना को खारिज और चेतावनी दी है कि इस तरह की योजना क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा करेंगी और संघर्ष तेज होने का जोखिम भी बढ़ाएगी। हमास भी स्वाभाविक तौर पर इस योजना से नाराज है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी जगह की आबादी को जबरन कहीं और भेजना प्रतिबंधित है। लेकिन ट्रंप खुलेआम इस कानून की धज्जियां उड़ाने की योजना बता रहे हैं। अरब देश इसकी मुखालफत भले ही कर लें, लेकिन क्या ट्रंप को इस योजना पर अमल करने से रोका जा सकेगा, यह बड़ा सवाल है। क्योंकि ट्रंप के इर्द–गिर्द इस समय जो लोग खड़े हैं, उनके लिए मुनाफा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसमें इंसानियत जैसे शब्दों की कोई जगह नहीं है। गजा को स्वर्ग बनाने के पीछे किस तरह भू राजनैतिक स्थितियों से छेड़छाड़ होगी, इजरायल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां, सेनाएं और तकनीकी ताकतें किस तरह के दुष्चक्र रचेंगी, इनका अंदाजा भी फिलहाल नहीं लगाया जा सकता। हालांकि ट्रंप के एक और फैसले से इस खेल की चालाकी समझी जा सकती है। टेस्ला कंपनी के मालिक, दुनिया के सर्वाधिक अमीर कारोबारियों में से एक और इस समय ट्रंप के सबसे करीबी माने जाने वाले एलन मस्क की पहुंच अब अमेरिकी सरकार की भुगतान प्रणाली तक हो गई है। मस्क द्वारा संचालित डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग को सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर ग्राहक भुगतान प्रणालियों सहित संवेदनशील वित्तीय डेटा तक पहुंच मिल गई है। डीओजीआई को लेकर पहले ही अमेरिका में संदेह व्यक्त किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने इस टास्क फोर्स का गठन ही इसलिए किया है ताकि संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने, कार्यक्रमों में कटौती करने और संघीय नियमों को कम करने के तरीके खोजे जा सकें। आसान शब्दों में कहें तो सरकार अपनी जिम्मेदारी इस टास्क फोर्स के जरिए कम करना चाहती है। इसकी कमान एलन मस्क के हाथों में है, जो विशुद्ध कारोबारी हैं और जिन्हें सरकार के संचालन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी जनता ने निर्वाचित नहीं किया। अमेरिकी जनता ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुना है। लेकिन ट्रंप बेहतर प्रशासन के नाम पर कारोबारियों को बढ़ावा दे रहे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी तक मस्क की पहुंच इसका बड़ा प्रमाण है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसद इस बात से काफी परेशान हैं कि मस्क के पास अमेरिकी सरकार में बहुत अधिक शक्ति है, उन्हें डर है कि मस्क के लोग अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप भुगतान को अवैध रूप से रोक सकते हैं। मस्क सोशल मीडिया पर भी इस बात को कह चुके हैं कि वे चौरिटी यानी कल्याणकारी कार्यों के लिए दिए जाने वाले भुगतान को बंद कर देंगे। ध्यान रहे कि ट्रेजरी के भुगतानों का प्रबंधन राजकोषीय सेवा द्वारा किया जाता है, जो सालाना 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक लेनदेन करती है। अब इस लेनदेन तक मस्क की पहुंच हो चुकी है, जिसकी आलोचना अमेरिका में मीडिया और विपक्ष दोनों कर रहे हैं। ट्रंप को सत्ता संभाले अभी महीना भर भी नहीं हुआ और उनके फैसले जाहिर कर रहे हैं कि अमेरिका में पूंजीवाद और अमेरिका का पूंजीवाद पूरी तरह बेनकाब होकर दुनिया के सामने आ गए हैं। दुनिया में लोकतंत्र की रक्षा और बहाली के नाम पर अपनी पिठ्ठू सरकारें बनवाने वाला अमेरिकी पूंजीवाद अब कौन से कहर ढाएगा, यह सोचकर ही डर लगता है। क्योंकि इस खेल का प्रतिरोध भी होगा और उससे नए संघर्षों का जन्म होगा। भारत इन बदले हालात में किस तरह अपनी मजबूती दिखाएगा, इसमें भी संशय है। ट्रंप के शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रण नहीं था, लेकिन मुकेश अंबानी वहां सपत्नीक मौजूद थे। अमेरिका में पहले विदेशी मेहमान इजरायली प्रधानमंत्री बने और उस समय अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजने की तैयारी हो रही थी। नरेन्द्र मोदी के अपने दोस्त ट्रंप से फोन पर की गई बातचीत से भी कोई खास उम्मीद नहीं बंधी। जिस तरह नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में कुछ खास उद्योगपतियों को बढ़ावा मिला, उसी तरह मस्क अमेरिकी सरकार पर हावी दिख रहे हैं। एक उद्योगपति के सरकार पर नियंत्रण बढ़ने के नतीजे अमेरिका में सामने आने लगे हैं, भारत के नागरिकों को भी अपने देश में ऐसे ही हालात बनने का डर लगना चाहिए।

बजट 2025–26 में भारी कर छूट का मोदी का दांव क्यों विफल होगा?

नित्य चक्रवर्ती

2025–26 के केन्द्रीय बजट को संसद में पेश किये जाने के बाद देश के आयकरदाताओं को भारी राहत दिये जाने पर भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रियों में जो उत्साह है, उसमें देश के उन अनुमानित एक करोड़ लोगों का भी योगदान हो सकता है, जिन्हें बजट प्रस्तावों से लाभ मिला है। लेकिन लोगों के उपभोक्ता व्यवहार पर इसका प्रभाव सीमित होगा और उतना बड़ा नहीं होगा, जितना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित नीति निर्माता उनके होने का अनुमान लगा रहे हैं। 2025–26 के बजट के दो कार्य हैं, जो नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। पहला, खपत को बढ़ावा देना, क्योंकि चालू वित्त वर्ष में खपत सुस्त रही है और दूसरा, युवाओं के लिए नौकरियों का तेजी से सृजन करना, क्योंकि बेरोजगारी चरम संकट बिंदु पर पहुंच गयी है। इन दोनों मामलों में, 2025–26 के बजट प्रस्तावों में कोई उम्मीद की किरण नहीं है। बजट निर्माताओं, खासकर प्रधानमंत्री में,भारी सुधार लाने की हिम्मत गायब है, हालांकि इसके लिए यह सबसे अच्छा समय था क्योंकि लोकसभा चुनाव चार साल दूर हैं। सत्तारूढ़ सरकार को अपने अस्तित्व के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने अर्थव्यवस्था में खपत और उसके परिणामस्वरूप मांग को बढ़ावा देने के लिए आधा–अधूरा दृष्टिकोण अपनाया और रोजगार सृजन के कार्य को पूरी तरह से छोड़ दिया। इसका कुल प्रभाव यह होगा कि कुछ क्षेत्रों में खपत में वृद्धि की कुछ लहरें उठेंगी, लेकिन एक लाख करोड़ की कुल कर राहत, मांग चक्र को गति देने में सक्षम नहीं होगी क्योंकि ग्रामीण और शहरी गरीबों की खराब खर्च क्षमता सहित अन्य कारक स्थिर रहेंगे, जिससे खपत में सामान्य उछाल की प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आयकरदाताओं को एक लाख करोड़ रुपये की राहत के बारे में वास्तविकता पर नजर डालते हैं। 2023–24 के आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आये आंकड़ों के अनुसार, वेतनभोगियों में, 2023–24 में पुरुष श्रमिकों के लिए वास्तविक औसत मासिक वेतन 2017–18 में 12,665 रुपये से 6.4 प्रतिशत कम होकर 11,858 रुपये था। महिला श्रमिकों के लिए, इस अवधि के दौरान वास्तविक मजदूरी में और अधिक गिरावट आई। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि वेतनभोगी लोगों के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से निचले और मध्यम वर्ग को कुछ आवश्यक सामान प्राप्त करने के मामले में भी बदतर जीवन स्थितियों का सामना करना पड़ा। यह वर्ग नये सामान खरीदने नहीं जायेगा, बल्कि इस अवधि में छूटी हुई कुछ जरूरी चीजें वापस पाने की कोशिश करेगा। पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार की नीतियों का सबसे ज्यादा फायदा कॉरपोरेट सेक्टर को हुआ है। यह प्रक्रिया पिछले पांच वर्षों में ज्यादा स्पष्ट हुई। 2023–24 में मुनाफे में 22.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, लेकिन रोजगार में महज1.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2024–25 में व्यक्तिगत कर संग्रह में पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कॉर्पोरेट कर के मामले में यह वृद्धि केवल 7 प्रतिशत रही। इसका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग के आयकरदाता कॉर्पोरेट क्षेत्र की तुलना में सरकार के कर राजस्व में अधिक योगदान दे रहे हैं, जिसे नरेंद्र मोदी शासन के दौरान सबसे अधिक लाभ हुआ है। 2025–26 के बजट में रोजगार पहल के संबंध में, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पर नवीनतम रिपोर्ट कुल मिलाकर बिल्कुल भी आशाजनक नहीं है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। दिसंबर 2024 में सीएमआईई की नवीनतम रिपोर्ट में बेरोजगारी का प्रतिशत 7.8प्रतिशत बताया गया है। भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 में उल्लेख किया गया है कि आकस्मिक श्रमिक, जो कार्यबल का 25प्रतिशत हिस्सा हैं, उन्हें लगभग 4,712 रुपये मासिक वेतन मिलता है। स्व–नियोजित श्रेणी के लोग (जो कार्यबल का 42प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं) प्रति माह लगभग 6,843 रुपये कमाते हैं। कर राहत से मध्यम वर्ग (5 से 30 लाख रुपये के बीच वार्षिक आय वाले) और निम्न आय वाले परिवारों (2 से 5 लाख रुपये के बीच वार्षिक आय वाले) के बीच उपभोग संकट को कम करने में मदद मिल सकती है। वे उपभोक्ता बाजार में सतर्कता से खर्च करने वाले होंगे क्योंकि उनके पास पहले से ही शिक्षा और स्वास्थ्य की लागत सहित आवश्यकताओं की मांग है। इनमें से अधिकांश समूह कृषि क्षेत्र, स्व–स्वामित्व वाले व्यवसायों और एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत हैं। साथ में, वे भारत की कामकाजी आबादी का 70प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं, जिसमें 40 करोड़ कम उत्पादक कृषि क्षेत्र और लगभग 25 करोड़ एमएसएमई क्षेत्र में फंसे हुए हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था में हाउसकीपिंग, सुरक्षा सेवाएं और अन्य गिग प्रकार की नौकरियों जैसे कम वेतन वाली और कम उत्पादक नौकरियों का सृजन भी हो रहा है। इस बजट में मोदी सरकार का पूरा दृष्टिकोण एक लाख करोड़ रुपये की राहत के तथाकथित गुणक प्रभाव पर आधारित है और यह अनुमान लगा रहा है कि पूरी राशि उपभोग के लिए खर्च की जायेगी, जो वास्तव में होने वाला नहीं है। अधिकतम 50,000 करोड़ रुपये कुल राशि का आधा हिस्सा नये उपभोग के लिए खर्च किया जा सकता है। आयकर देने वाले वर्ग के बाहर के लोग वस्तुओं की मांग में योगदान करने की किसी भी क्षमता के बिना उसी तरह संघर्ष करेंगे। बहुसंख्यक आबादी को उनकी व्यय शक्ति से वंचित रखकर विकास नहीं हो सकता। सरकारी नीतियों में विरोधाभास पर एक नजर डालें। रुपये में धन से लबालब देश के अमीर और उच्च मध्यम वर्ग पहले की तुलना में सोने की खरीद और विदेश यात्रा पर बड़ा खर्च कर रहे हैं। विदेशी मुद्रा की लगातार मांग है। इसकी आपूर्ति सीमित होने के कारण, दैनिक आधार पर रुपये का विनिमय मूल्य लगभग लगातार घट रहा है। द्वितीयक बाजार से एफपीआई द्वारा बड़ी मात्रा में निकासी ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। 2024 के पहले 11 महीनों में, भारत के सोने के आयात ने 47 अरब डॉलर का सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया। लाभार्थी कौन हैं? रत्न और आभूषणों का व्यापार करने वाले गुजरात के व्यापारी। साथ ही, पिछले वित्त वर्ष में अमीर भारतीयों ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर रिकॉर्ड 17 अरब डॉलर खर्च किये, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारतीय आबादी के ऊपरी तबके के पास धन की भरमार है, जबकि निचले स्तर के लोग दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। 2025–26 के बजट में गरीबों और निम्न मध्यम वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोई दृष्टि नहीं है। यह बेरोजगारी, विकास और समानता के विस्तार के उसी पुराने रास्ते पर चलता है और आयकर देने वाले वर्ग के बाहर की विशाल आबादी के हाथों में अधिक पैसा देकर उपभोग को बढ़ावा देने के लिए कोई बड़ा जोर नहीं देता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सही थे जब उन्होंने कहा कि यह 2025–26 का बजट गोली के घाव पर महजपट्टी बांधने जैसा है।

बड़ी फिल्म से बाहर होने पर लगा था धक्का, एक्टिंग से दूरी बनाने का किया फैसला, रोहमन शॉल बोले-मॉडल अच्छे एक्टर नहीं बन सकते.

> रोहमन शॉल ने अपने करियर में आए उस कठिन मोड़ के बारे में बताया जब उन्हें २०१७ में एक बड़ी फिल्म के लिए कास्ट किया गया था। उन्होंने कहा, २०१७ में मुझे एक बड़ी फिल्म के लिए चुना गया था। ऑडिशन के बाद सिलेक्शन हो गया और फिर एक महीने बाद मुझे डायरेक्टर से मिलने को कहा गया।

बॉलीवुड एक्टर और मॉडल रोहमन शॉल ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की थी। हालांकि, जब उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा, तो कुछ समय बाद उन्होंने इस फील्ड से ब्रेक लेने का फैसला किया। लेकिन अब वह साई पल्लवी की फिल्म श्अमरानश से एक बार फिर वापसी कर चुके हैं। इसी बीच हाल ही में एक इंटरव्यू में रोहमन ने अपने करियर से जुड़े कुछ अहम पहलुओं पर खुलासा किया और बताया कि क्यों उन्होंने एक्टिंग से कुछ समय के लिए दूरी बनाई थी। रोहमन शॉल ने अपने करियर में आए उस कठिन मोड़ के बारे में बताया जब उन्हें 2017 में एक बड़ी फिल्म के लिए कास्ट किया गया था। उन्होंने कहा, 2017 में मुझे एक बड़ी फिल्म के लिए चुना गया था। ऑडिशन के बाद सिलेक्शन हो गया और फिर एक महीने बाद मुझे डायरेक्टर से मिलने को कहा गया। मैं पूरी तरह से तैयार हो गया था, लेकिन एक दिन कास्टिंग डायरेक्टर का फोन आया और उन्होंने कहा कि कुछ बदलाव हुए हैं, बाद में कॉल करेंगे। रोहमन ने बताया कि यह कॉल कभी नहीं आई। इस बात ने उन्हें काफी प्रभावित किया और वह अपने करियर को लेकर गहरे विचार में डूब गए। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा था कि अब मेरा समय आ गया है, लेकिन अचानक सब कुछ खत्म हो गया। इस घटना ने रोहमान को यह सोचने पर मजबूर किया कि शायद वह इस इंडस्ट्री के लिए नहीं बने हैं। रोहमन ने बताया कि इस घटना से उन्हें गहरा धक्का लगा, क्योंकि उनके मन में पहले से ही यह धारणा बनी हुई थी कि मॉडल अच्छे एक्टर नहीं हो सकते। यह सोच उनके लिए एक बड़ा मानसिक अवरोध बन गई और इस कारण उन्होंने एक्टिंग से दूर रहने का फैसला किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि मैं हमेशा सुनता था कि मॉडल अच्छे एक्टर नहीं बन सकते। इस धारणा ने मुझे गहरे तक प्रभावित किया और मैंने एक्टिंग से एक तरह से दूरी बना ली। रोहमन ने आगे कहा, मेरे पसंदीदा मॉडल–से–एक्टर जैसे मुझामिल इब्राहिम, जॉन अब्राहम, अर्जुन रामपाल और मिलिंद सोमन को भी इस समस्या का सामना करना पड़ा था। यह धारणा हमेशा बनी रहती थी कि खूबसूरत दिखने वाले लोग अच्छे अभिनेता नहीं हो सकते। इस घटना के बाद, रोहमन ने अपने करियर पर फिर विचार किया और पूरी तरह से मॉडलिंग पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। वह मानते थे कि अगर लोग उन्हें अभिनेता के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं, तो बेहतर होगा कि वह अपनी मॉडलिंग की ओर पूरी तरह से ध्यान दें। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग के क्षेत्र में काफी सफलता हासिल की और अपनी पहचान बनाई। हालांकि, वह एक लंबे समय बाद फिर से एक्टिंग की ओर लौटे और फिल्म श्अमरानश से अपना एक नया चौप्टर शुरू किया। इस दौरान उन्होंने यह भी महसूस किया कि अब चीजें बदल चुकी हैं और वह उस तरह की धारणा से परे निकल आए हैं।

> फिर एक महीने बाद मुझे डायरेक्टर से मिलने को कहा गया।

निक्की तंबोली ने गौरव खन्ना को कहा–पनौती, तेजस्वी प्रकाश द्वारा उन्हें टीम में चुने जाने पर व्यक्त की चिंता

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ को हर कोई पसंद कर रहा है। शो के पहले दो सप्ताह काफी मनोरंजक रहे हैं। अपने पसंदीदा सेलिब्रिटी को खाना पकाने की चुनौतियों का सामना करते देखना एक ट्रीट है। यह शो 27 जनवरी को शुरू हुआ और शो की होस्ट फराह खान हैं। शेफ रणवीर बरार और शेफ विकास खन्ना शो के जज हैं। प्रतिभागियों को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है और हर कोई जजों को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह साबित करके दर्शकों को चौंका दिया है कि सेलिब्रिटी भी सबसे अच्छे शेफ हो सकते हैं। तेजस्वी प्रकाश, दीपिका कक्कड़, गौरव खन्ना, उषा नाडकर्णी, निक्की तंबोली, राजीव अदातिया, अर्चना गौतम, अभिजीत सावंत, कबिता सिंह, चंदन प्रभाकर, फैजल शेख उर्फ मिस्टर फैसू सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के पहले सीजन के प्रतियोगी हैं।

निक्की ने गौरव को 'पनौती' कहा

शो के लेटेस्ट एपिसोड में हमने देखा कि कंटेस्टेंट दो टीमों में बंटे हुए थे। तेजस्वी और कबिता कैप्टन थे और उन्हें अपनी टीम चुननी थी। कबिता की टीम में फैसू, राजीव, दीपिका, अर्चना और अभिजीत थे। तेजस्वी की टीम में निक्की, गौरव, उषा नाडकर्णी, चंदन थे। खाने का स्वाद चखने के लिए खास मेहमान आए थे। उन्हें सबसे अच्छी डिश के लिए वोट करना होगा। हालांकि, जब तेजस्वी ने गौरव को चुना तो निक्की नाराज हो गईं और उन्हें ऐसा न करने के लिए कहा। तेजस्वी ने उन्हें शांत रहने और भरोसा रखने के लिए कहा। बाद में, जब कंटेस्टेंट खाना बनाना शुरू कर रहे थे, तो हमने देखा कि निक्की से उनकी टीम के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि वह गौरव पर ध्यान नहीं देना चाहती हैं और तेजस्वी द्वारा उन्हें टीम में चुने जाने से वह खुश नहीं हैं। निक्की ने आगे कहा कि अगर टीम जीतती है तो यह उनकी वजह से होगा और अगर हारती है तो यह श्पनौतीश गौरव की वजह से होगा। निक्की द्वारा की गई ये टिप्पणियाँ कई प्रशंसकों को पसंद नहीं आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना की। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, श्अगर यह महिला सोचती है कि इस तरह की भाषा का उपयोग करके वह कूल या बदमाश दिखती है, तो वह केवल खुद को बेवकूफ बना रही है, वह सिर्फ बेवकूफ़ बन रही है। साथ ही, जब आप एक टीम में काम करते हैं, तो जीत या हार पूरी टीम की होती है। जीत तो मेरी वहीं से रवैये में क्या है? एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, और तुम बदकिस्मत हो तुम टीम के खिलाड़ी नहीं हो। क्या तुमने कभी टीम के माहौल में काम किया है? बुरा रवैया तुम्हें कहीं नहीं ले जाता। कल, हमने देखा कि अधिकांश मेहमानों को टीम कबिता का वेलकम ड्रिंक पसंद आया। आने वाले एपिसोड में, हमें पता चलेगा कि चुनौती कौन जीतेगा।

उर्मिला मातोंडकर के जन्मदिन पर दिखा सितारों का मेला, फ्रेम में नजर आई शबाना-दिव्या

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के जन्मदिन के अवसर पर कई सितारे साथ में नजर आए। शबाना आजमी, दिव्या दत्ता, ऋचा चड्ढा, दीया मिर्जा और तन्वी आजमी समेत अन्य कलाकार एक ही फ्रेम में नजर आए। इस खास मौके पर बॉलीवुड की कई हस्तियां फिर से साथ आईं और साथ में मस्ती करती नजर आईं। शबाना आजमी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दिल को छू लेने वाली एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, उर्मिला को सलाम! उर्मिला, अपना जन्मदिन एक अनोखे कैफे में शानदार भोजन करके बिताने से बेहतर क्या हो सकता है! हमें तनिष्ठा, विद्या, कोंकणा और संध्या की याद आ रही थी, इसलिए हमने आप सभी के लिए खाना खाकर इसकी भरपाई की। जीते रहो खुश रहो बर्थडे गर्ल। बहुत सारा प्यार। तस्वीरों में अभिनेत्रियां मुस्कान के साथ पोज देती नजर आईं। उर्मिला मातोंडकर ने अपने 51वें जन्मदिन के जश्न को दोस्तों के साथ मनाया। इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट में अभिनेत्री ने उन लोगों के लिए आभार जताया, जो उनकी जिंदगी में खास मायने रखते हैं। पीले रंग की पोशाक में अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें शेयर करते हुए उर्मिला ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन के बाद आभार, मेरे दिल में जो है, वह आप में से हर एक का आभारी है, जो मेरी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए मेरे साथ थे। मैंने मेरे साथ आओ गुनगुनाया और आप चले गए और मेरी यात्रा को बहुत खूबसूरत बना दिया। मैं प्रार्थना करती हूं कि यह यात्रा इसी तरह जारी रहे और इसी तरह हमारे साथ रहे। मैं आप सभी से प्यार करती हूं और आप सभी की आभारी हूं।" उर्मिला मातोंडकर राम गोपाल वर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'रंगीला' (1995) में अपने शानदार अभिनय से छा गई थीं और बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में से एक के रूप में अपनी जगह बनाने में सफल हुई थीं। इसके बाद अभिनेत्री 'जुदाई', 'सत्या', 'खूबसूरत' और 'जंगल' समेत कई हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

साले साहब की शादी अटैंड करने मुंबई पहुंचे निक जोनस, एयरपोर्ट पर दिखा कूल लुक

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा इस समय भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की वेडिंग अटेंड करने के लिए मुंबई आईं हैं। प्रियंका के साथ उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा भी हैं। मालती मैरी के अलावा प्रियंका के साथ उनके सास ससुर भी सिद्धार्थ की वेडिंग अटैंड करने भारत आए हैं। बेटी और सास ससुर संग मां–प्रियंका भाई सिद्धार्थ की हल्दी से मेहंदी सेरेमनी में खूब धमाल मचा रही हैं। ऐसे में हर कोई नेशनल के दामाद यानि निक जोनस को मिस कर रहा है। निक की अनुपस्थिति ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए नेटिजन्स पूछ रहे हैं कि क्या निक शादी में शामिल होंगे या नहीं। वहीं अब निक साले साहब की शादी का हिस्सा बनने के लिए इंडिया आ गए हैं। जी हां, निक जोनस को वीरवार दोपहर मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। लुक की बात करें तो निक व्हाइट ट्रैक सूट में कूल दिखे। उन्होंने शेड्स और कैप से लुक को पूरा किया। एयरपोर्ट पर निक ने स्टाइलिश अंदाज में पोज दिए। बता दें कि साल 2024 में सिद्धार्थ ने नीलम उपाध्या संग सगाई की थी। वहीं अब ये कपल अपनी लाइफ की नई शुरुआत करने जा रहा है।

सूरज बड़जात्या ने सुनाया दीदी तेरा देवर दीवाना से जुड़ा मजेदार किस्सा, माधुरी ने किया था सलमान का मेकअप

फिल्म निर्माता–निर्देशक सूरज बड़जात्या ने 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' के ट्रैक दीदी तेरा देवर दीवाना से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। बड़जात्या ने बताया कि गाने के लिए माधुरी ने सलमान का मेकअप किया था। शो 'इंडियन आइडल' में गेस्ट के तौर पर पहुंचे सूरज ने पुरानी यादें ताजा करते हुए एक किस्सा सुनाया, "यह एक लंबा और कठिन गाना था, जिसके लिए 16 दिनों की रिहर्सल और 9 दिनों के फिल्मांकन की आवश्यकता थी। हम इसे मजेदार तरीके से पूरा करना चाहते थे। उन्होंने आगे बताया, "मैंने अपने पिता को गाने को लेकर सुझाव दिया कि सलमान को अंतिम सीन के लिए नाइटी पहननी चाहिए। इस विचार से मेरे पिता असहमत थे। हालांकि, नाइटी पहनने के लिए सलमान तुरंत मान गए। पूरी टीम इसे लेकर उत्साहित थी, फिर हमने सेट पर महिला कलाकारों के बीच इस पर वोटिंग का फैसला किया। माधुरी के साथ अन्य डांसर्स को भी यह विचार मजेदार लगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस पर काम करना चाहिए।" सूरज बड़जात्या ने बताया कि माधुरी ने गाने के इस सीन के लिए सलमान का मेकअप किया था।'हम आपके हैं कौन' एक म्यूजिकल–रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें परिवार के लिए अपने प्यार का त्याग करने की कहानी है। हम आपके हैं कौन 1982 में रिलीज हुई सचिन पिलगांवकर और साधना सिंह स्टारर नदिया के पार की रीमेक है। बड़जात्या 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं, जो जेन–जेड जोड़े की प्रेम कहानी है। 'गुल्लक' फेम पलाश वासवानी ने सीरीज का निर्देशन किया है। सीरीज में ऋतिक घनशानी, आयशा कडुस्कर, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, राजेश जैस, चित्राली लोकेश, दीपिका अमीन, जमील खान, राजेश तैलंग, अंजना सुखानी, साधिका सयाल, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रियंवदा कांत, ओम दुबे, भावेश बबानी और अन्य जैसे कलाकारों की टोली है।'बड़ा नाम करेंगे' में प्यार, खुशी के साथ दिल को छू लेने वाले मिश्रण हैं।'इंडियन आइडल' सोनी एंटरटेनमेंट चौनल पर प्रसारित होता है।

साधारण साड़ी में चार चांद लगा देंगे ये ट्रेंडी डिजाइंस वाले चोकर सेट, सबकी निगाहें आप पर होगी

किसी भी फंक्शन में महिलाओं को आमतौर पर साड़ी वियर करना सबसे ज्यादा पसंद होता है। साड़ी में हर महिला सुंदर दिखती है। अगर आप भी साड़ी के लुक बेहतरीन करना चाहते हैं, तो आप चोकर सेट पहन सकते हैं, जो काफी स्टाइलिश लुक देते हैं और आप इसमें खूबसूरत नजर आएगी। कुंदन से लेकर पर्ल चोकर सेट को पहनकर आप सबसे सुंदर नजर आएगी, सबकी निगाहें आप पर होगी।

कुंदन वर्क चोकर

अगर आप भी साड़ी में खूबसूरत दिखना चाहते हैं तो आप कुंदन वर्क चोकर सेट जरुर पहन सकते हैं। इस तरह के चोकर आपके साड़ी लुक में चार चांद लगा देगा। यह आपको कई डिजाइन्स में मिल जाएंगे। जिन्हें आप 300 से 400 रुपये की कीमत खरीद सकते हैं।

पर्ल वर्क चोकर

सिंपल साड़ी को स्टाइलिश बनाने के लिए आप इस तरह के पर्ल वर्क वाला चोकर स्टाइल कर सकते हैं। यह चोकर आपके स्टाइल को और भी खूबसूरत बना देगा। इस तरह के चोकर आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ 300 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकते हैं।

गोल्ड प्लेटेड चोकर

फंक्शन के लिए रॉयल लुक पाना चाहते हैं, तो आप गोल्ड चोकर सेट का चयन कर सकते हैं। गोल्ड प्लेटेड और मोती वर्क में आपको कई सारे डिजाइंस मिल जाएंगे। आप गोल्ड प्लेटेड चोकर बाजार या फिर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में आसानी से खरीद सकते हैं। यह आपको आसानी से 400 से 500 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकते हैं।

बिना तेल के पानी में चिकन बनती है फराह खान, तंदूर या ओवन की नहीं जरुरत, नोट करें आसान विधि

अगर आपको चिकन खाना सबसे ज्यादा पसंद हैं और इसे नए तरीके बनाना चाहते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यदि आप तंदूर या ओवन के बिना टेस्टी और जायकेदार चिकन बनाना चाहते हैं, तो आप फराह खान की इस रेसिपी को जरुर फॉलो करें। इस खास तरीके में चिकन को तेल या घी में फ्राई करने की जरुरत नहीं हैं बल्कि इसे आप पानी में उबालकर पका सकते हैं। इससे यह कम कैलोरी वाला और हल्का लेकिन काफी स्वादिष्ट बनता है। तो चलिए बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

सामग्री

– चिकन– 500 ग्राम (बोनलेस या हड्डी वाला)
– पानी– 2 कप
– अदरक–लहसुन पेस्ट– 1 बड़ा चम्मच
– हल्दी पाउडर– 1 छोटा चम्मच
– लाल मिर्च पाउडर– 1 छोटा चम्मच
– धनिया पाउडर– 1 छोटा चम्मच
– गरम मसाला– आधा छोटा चम्मच
– नमक– स्वादानुसार
– नींबू का रस– 1 बड़ा चम्मच
– सरसों के बीज का पेस्ट– 1 बड़ा चम्मच
– फ्रेश धनिया– 2 चम्मच

पानी में पकने वाला चिकन को बनाने का तरीका

– सबसे पहले चिकन को अच्छे से धो लें। फिर इसे एक प्लेट में निकालकर रख दें। अब आप ऊपर से नमक, तेल और लाल मिर्च पाउडर को डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।

– इसके बाद काली मिर्च, नींबू का रस, लहसुन–अदरक का पेस्ट और सरसों का पेस्ट डालकर अच्छी तरह से मिलाकर चिकन को पर मसाला लगा दें।

– अब इसे आप एक पैन में डालकर रखें और इतना डालकर रखें, ताकि चिकन आधा भीग जाए। फिर इसे ढक्कर पकाएं और तब तक इसको पकाए, जब तक इसका पानी सूख न जाए।

– जब पानी सूख जाएं तभी गैस बंद करनी है और प्लेट में निकालकर सर्व करना है, जिससे स्वाद अच्छा रहे। ऊपर से नींबू का रस और हरा धनिया भी डाल सकते हैं।

घर में कभी नहीं आएगी आर्थिक तंगी बस इन दो पौधों को रखें एक साथ

वास्तु शास्त्र, हमारे घर और जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए दिशा, स्थान, और वास्तु के महत्व को समझाता है। खासकर अगर हम अपने घर में कुछ खास पौधे रखें, तो यह न सिर्फ वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि हमारी आर्थिक स्थिति और जीवन को भी बेहतर बना सकते हैं। तुलसी और मनी प्लांट का सही स्थान पर होना भी इसी प्रकार के लाभों से जुड़ा हुआ है।

तुलसी के पास मनी प्लांट एक साथ रखने के फायदे

आर्थिक स्थिति में सुधार

तुलसी और मनी प्लांट को एक साथ रखने से घर में पॉजिटिव एनर्जी लाता है। यह घर की आर्थिक स्थिति को बेहतर करता है और धन की कमी को दूर करने में मदद करता है। मनी प्लांट को तुलसी के पास रखने से दोनों पौधों की एनर्जी मिलकर घर में दरिद्रता और गरीबी को दूर करती है।

स्वास्थ्य में लाभ

मनी प्लांट और तुलसी दोनों ही पौधे घर में ताजगी और शुद्ध हवा लाते हैं। मनी प्लांट वायु में नमी को बनाए रखने में मदद करता है, जबकि तुलसी के पत्ते प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। इससे घर में हवा शुद्ध रहती है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं।

पारिवारिक खुशहाली

तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से परिवार के बीच प्रेम और शांति बढ़ती है। यह घर में शांति और खुशी का माहौल बनाता है, जिससे परिवार में रिश्तों में मिठास और समझ बढ़ती है। यह दोनों पौधे घर के वातावरण को संतुलित और सकारात्मक बनाते हैं।

नेगेटिव एनर्जी का नाश

तुलसी और मनी प्लांट मिलकर घर में नेगेटिव एनर्जी को दूर करने में मदद करते हैं। अगर घर में किसी तरह की अनहोनी या नेगेटिव स्थिति हो, तो तुलसी और मनी प्लांट के पास बैठने से माहौल में बदलाव आता है और नेगेटिविटी दूर होती है।

कर्ज से छुटकारा

अगर आपके ऊपर कर्ज का बोझ है, तो मनी प्लांट और तुलसी के संयोजन से घर में समृद्धि आती है और यह कर्ज चुकता करने में भी मदद करता है। यह पौधे आर्थिक दृष्टि से सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और कर्ज चुकाने में मदद कर सकते हैं।

तुलसी और मनी प्लांट का वास्तु शास्त्र में महत्व

तुलसी का महत्वः तुलसी को भारतीय घरों में धार्मिक और वास्तु शास्त्र के हिसाब से बहुत शुभ माना जाता है। यह न केवल घर के वातावरण को शुद्ध करती है, बल्कि घर में सुख–शांति और पॉजिटिव एनर्जी का संचार भी करती है। तुलसी का पौधा घर में होने से दरिद्रता और नेगेटिविटी दूर रहती है। इसे भगवान विष्णु की प्रिय माना जाता है, और इसके पास रोजाना से दीपक जलाना और पूजा करना एक शुभ संकेत है।

मनी प्लांट का महत्वः मनी प्लांट को वास्तु शास्त्र में समृद्धि और सुख–समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाने से धन, खुशहाली और सफलता का आशीर्वाद मिलता है। मनी प्लांट को वास्तु के अनुसार दक्षिण–पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह दिशा धन और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। अगर मनी प्लांट तुलसी के पास रखा जाए तो यह दोनों ही पौधे मिलकर घर में समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी आती हैं। इन पौधों का सही स्थान और देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि आप इन पौधों के पूरे लाभ का अनुभव कर सकें। यह दोनों पौधे घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करते हैं और दरिद्रता को दूर रखते हैं।

ब्रेकफास्ट में बनाएं एगलेस अंडा भुर्जी, नोट कर लें प्रोटीन से भरपूर इस डिश की रेसिपी

कुछ डिश ऐसी होती हैं, जो कम समय में बनकर तैयार हो जाती हैं और यह टेस्टी होने के साथ हेल्दी भी होती हैं। ऐसी ही एक डिश अंडा भुर्जी है। सुबह ऑफिस के लिए देर हो रही हो, या फिर कुकिंग में हाथ तंग हो। तो आप कम समय में आसानी से अंडा भुर्जी बनाकर तैयार कर सकती हैं। यह डिश प्रोटीन से भरपूर होती है और सेहतपसंद लोगों की लिस्ट में टॉप पर आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना अंडा के भी बिलकुल यही अंडा भुर्जी बनाकर तैयार कर सकते हैं। भले ही यह आपको सुनने में अजीब लगे, लेकिन यकीन मानिए बिना अंडे के भी आप स्वादिष्ट अंडा भुर्जी बना सकती हैं। अगर आप वेजिटेरियन हैं या फिर आप किसी अन्य वजह से अंडा नहीं खा रहे हैं, तो आप फटाफट बनने वाली प्रोटीन रिच एगलेस अंडा भुर्जी बना सकते हैं। आपको एक बार इसे जरूर ट्राई करना चाहिए।

एगलेस भुर्जी बनाने की सामग्री

बेसन– 1 कप
फ्रेश दही– 4–5 चम्मच
अलसी के बीजों का पाउडर– 1 चम्मच
नमक– स्वादानुसार
पानी– 1 तिहाई कप
एक प्याज– बारीक कटी हुई
शिमला मिर्च– कटी हुई
गाजर– आधी कटी हुई
टमाटर– आधा कटा हुआ
हरी मिर्च– 2

लाल मिर्च– 1 चम्मच
हल्दी– 2 चम्मच
हरा धनिया– बारीक कटा हुआ

ऐसे बनाएं प्रोटीन रिच एगलेस भुर्जी

एगलेस भुर्जी बनाने के लिए सबसे पहले बैटर तैयार कर लें। अब एक बड़े बाउल में अलसी के बीजों का पाउडर, बेसन, दही, पानी और नमक डालकर गाढ़ा घोल बनाकर तैयार कर लें। जैसा आप डोसा के लिए बैटर बनाते हैं। इसकी कंसिस्टेंसी भी वैसी ही रखें। अब गैस पर पैन या तवा चढ़ाएं और उसको गर्म होने दें। फिर तवे पर थोड़ा सा तेल डालें और इसमें सरसों के दाने चटका लें। अब कटी हुई प्याज डालकर सुनहरी होने तक भून लें।

फिर कटा हुआ बारीक टमाटर डालें और इसको भी सॉफ्ट होने तक भून लें। इसके बाद कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, गाजर और सभी सब्जियों का कच्चापन निकलने तक पकाएं। सभी सब्जियों का पका लें और इसमे कुछ बेसिक मसाले जैसे जीरा पाउडर, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर मिला लें। इन सब चीजों को अच्छे से मिलाएं फिर पैन पर अच्छे से सब्जियों को अच्छे से फैला लें। इसके ऊपर बेसन वाला बैटर डाल दें।

इस दौरान ध्यान रखें कि यह बैटर एक ही जगह पर नहीं डालना है, बल्कि इसको पूरी सब्जियों को कवर करते हुए पैन पर फैलाते हुए डालें। अब इसको कुछ देर ढककर पकने दें। जब बेसन साइड से हल्का सा पकने लगे, तो इसको चलाते हुए कुछ देर पकाएं। इसको तब तक पकाना है, जब तक कि इसका टेक्सचर भुर्जी की तरह न हो जाए और इसका रंग थोड़ा सा ब्राउन हो जाए। इसके पकने के बाद गरमा–गरम भुर्जी को रोटी–पराठे या फिर ब्रेड के साथ सर्व करें।

बदलते मौसम में सर्दी–खांसी को दूर करेंगे ये 9 एंटी–इंफ्लेमेटरी फूड, जो कि किफायती भी है

बदलते मौसम में सेहत का ध्यान रखना काफी जरुरी होता है। फरवरी के महीने में धीरे–धीरे सर्दी जाने लगती है, जिस वजह से कई लोग गर्म कपड़े पहना बंद कर देते हैं, जिस कारण वे बीमार पड़ने लगते हैं। इस मौसम में सेहत का ध्यान रखना काफी जरुरी है। इसके साथ ही आप किन चीजों का सेवन कर रहे हैं, इससे भी सेहत पर काफी असर पड़ता है। अगर आप एंटी–इंफ्लेमेटरी फूड का सेवन करते हैं, तो आपकी हेल्द बढ़िया रहेगी। खांसी–जुकाम का खतरा नहीं होगा। इसके साथ ही हेल्थ को भी कई फायदे होंगे। आइए आपको बताते हैं बदलते मौसम में किन एंटी–इंफ्लेमेटरी रिच फूड्स का सेवन करना चाहिए।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन का मात्रा सबसे अधिक होता है, जो इंफलेमेशन से लड़ने में मदद करता है और अपने पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट और हीलिंग गुणों के साथ ही पूरे हेल्थ के लिए लाभदायक है। इस मौसम में हल्दी का दूध पीने से सर्दी–खांसी और जुकाम से छुटकारा मिल जाएगा।

लहसुन

लहसुन में एलिसिन होता है जो सूजन को कम करने में मदद करता है और हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ बनाएं रखता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। लहसुन के सेवन से सर्दी–खांसी दूर हो जाएगी। लहसुन को भूनकर सेवन करने से खांसी में आराम मिलता है।

अदरक

बदलते मौसम में जुकाम–खांसी ज्यादा परेशान करती है। इसके लिए आपको इन एंटी–इंफ्लेमेटरी चीजों का सेवन करना जरुर चाहिए। अदरक मल्टीपरपज से कम नहीं है। यह इंफ्लेमेशन कम करती है। इसके साथ ही डाइजेशन को भी ठीक करता है। इम्यूनिटी को भी मजबूत करती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी सेहत के लिए काफी हेल्दी मानी जाती है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन इंफ्लेमेशन और ब्लोटिंग दोनों को कम करने में मदद करता है। यह वेट को मैनेज करने में भी मदद करती है।

विटामिन सी रिच फल

इस मौसम में नींबू, संतरा, मौसमी खाना सबसे अच्छा माना जाता है। नींबू, संतरा, और मौसमी में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होती है। इसके साथ ही यह इम्यूनिटी बूस्ट करता है और स्किन हेल्थ में भी काफी सुधार बना रहता है।

पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से शरीर स्वस्थ बना रहता है। हरी सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं, जो सूजन लड़ने में मदद करता हैं। इसके साथ ही पाचन में भी सहायता रहती है और ओवरऑल स्वस्थ भी बढ़िया रहता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।

टमाटर

टमाटर खाने से स्वास्थ्य को कई फायदे होते हैं। टमाटर में लाइकोपीन होता है जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही हेल्थ में काफी सुधार लेकर आता है। टमाटर का सेवन करने से स्किन को भी काफी फायदा मिलता है और शरीर भी एनर्जिट बना रहता है।

सूखे मेवे और बीज

ड्राई फ्रूट्स और सीड्स सेवन करने से हेल्थ को कई फायदे मिलते हैं। इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो इंफलेमेशन कम करता है, मास्तिष्क की कार्यप्रणाली बेहतर बनाता है और हार्ट हेल्थ को भी बढ़ावा देता है।

प्याज

प्याज में सबसे ज्यादा केरसेटिन पाया जाता है। यह सूजन को कम करता है, जिससे हार्ट हेल्थ में भी काफी सुधार होता है और पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट लाभ देता है।

संक्षिप्त

अमूल 600 करोड़ रुपये से कोलकाता में संयंत्र लगाएगी, स्थापित करेगी सबसे बड़ी दही उत्पादन सुविधा

नयी दिल्ली, एजेंसी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के प्रबंध निदेशक (एमडी) जयेन मेहता ने कहा है कि कंपनी कोलकाता में एक एकीकृत संयंत्र स्थापित करने के लिए 600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जहां दुनिया की सबसे बड़ी दही विनिर्माण सुविधा होगी। जीसीएमएमएफ 'अमूल' ब्रांड के तहत डेयरी उत्पाद बेचती है। जीसीएमएमएफ ने बृहस्पतिवार को संपन्न हुए बंगाल वैश्विक व्यापार सम्मेलन (बीजीबीएस) के दौरान यह निवेश प्रतिबद्धता जताई। मेहता ने पीटीआई–से कहा, "हम पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक एकीकृत डेयरी संयंत्र स्थापित करेंगे। नई सुविधा में दुनिया का सबसे बड़ा दही विनिर्माण संयंत्र होगा, जिसकी क्षमता 10 लाख किलोग्राम प्रतिदिन होगी।" उन्होंने बताया कि इस संयंत्र में कुल 600 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसकी कुल दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता 15 लाख लीटर प्रतिदिन होगी। मेहता ने कहा कि कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में दही की भारी मांग है। एक बयान के अनुसार, यह अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, आणंद द्वारा दो चरणों में 600 करोड़ रुपये के निवेश से कोलकाता के पास हावड़ा में संकरैल फूड पार्क में स्थापित किया जा रहा है। बंगाल के उपभोक्ता दही को बहुत पसंद करते हैं – जो 'टोक दोई' और 'मिष्टी दोई' के नाम से मशहूर है। यह संयंत्र बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा। अमूल वर्तमान में बंगाल में सबसे बड़ा दूध ब्रांड है, जो वहां रोजाना 10 लाख लीटर से अधिक दूध बेचती है। अमूल का बंगाल के 14 जिलों में एक मजबूत दूध खरीद नेटवर्क है, जिसके साथ 1.2 लाख से अधिक महिला दूध उत्पादक जुड़ी हुई हैं। जीसीएमएमएफ का कारोबार वित्त वर्ष 2023–24 में आठ प्रतिशत बढ़कर 59,445 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को मजबूत मांग के चलते चालू वित्त वर्ष में आमदनी में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है। जीसीएमएमएफ की कुल वार्षिक दूध प्रसंस्करण क्षमता लगभग 500 लाख लीटर है। जीसीएमएमएफ दुनिया की सबसे बड़ी किसान–स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था है, जिसमें गुजरात के 18,600 गांवों में 36 लाख किसान हैं और इसकी 18 सदस्य यूनियन प्रतिदिन 300 लाख लीटर दूध खरीदती हैं।

बदल गया है जोमैटो का नाम, मिली नई पहचान, जानें इसके पीछे का कारण

जोमैटो से भारत के लोगों ने कभी ना कभी तो खाना मंगवाया ही है। जोमैटो किसी ना किसी कारण से सुर्खियों में बना रहता है। कभी नई सर्विस को लेकर तो कभी नई जॉब पोस्टिंग के कारण। मगर अब जोमैटो बीते दिनों की बात हो जाएगा क्योंकि इसकी पहचान पूरी तरह से बदल गई है। जोमैटो के मालिक दीपिंदर गोयल की कंपनी का नाम बदल दिया गया है। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो की नई पहचान अब ष्इटरनलष के रूप में होगी। इसके साथ ही जोमैटो खुद की रीब्रांडिंग करने के लिए तैयार है। जोमैटो का नाम बदलने के इस फैसले को कंपनी के बोर्ड द्वारा आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया तथा 6 फरवरी को नियामक फाइलिंग के माध्यम से इसका खुलासा किया गया। ये कदम रणनीतिक तौर सोच कर उठाया गया है। यह रणनीतिक कदम कंपनी के लिए एक नए चौप्टर की शुरुआत करता है। इसके जरिए कंपनी अपने व्यापार पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए बढ़ रही है। ग्रुप के सीईओ और सह–संस्थापक दीपिंदर गोयल ने एक बयान में बदलाव के पीछे के तर्क को समझाया। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, गोयल ने बीएसई में दाखिल एक पत्र में कहा, ष्जब हमने ब्लिंकिट का अधिग्रहण किया, तो हमने कंपनी और ब्रांड/ऐप के बीच अंतर करने के लिए आंतरिक रूप से श्इटरनलश का उपयोग करना शुरू किया। हमने यह भी सोचा था कि जिस दिन ज़ोमैटो से परे कुछ हमारे भविष्य का एक महत्वपूर्ण चालक बन जाएगा, हम सार्वजनिक रूप से कंपनी का नाम बदलकर इटरनल कर देंगे। आज, ब्लिंकिट के साथ, मुझे लगता है कि हम वहां पहुंच गए हैं। हम ज़ोमैटो लिमिटेड, कंपनी (ब्रांड/ऐप नहीं) का नाम बदलकर इटरनल लिमिटेड करना चाहेंगे।ष गोयल ने शेयरधारकों को एक पत्र भी जारी किया, जिसमें कंपनी के नए लोगो की झलक दिखाई गई है।

क्या बदलाव को अंतिम रूप दे दिया गया है?

अभी तक पूरी तरह से नहीं। हालाँकि बोर्ड ने नाम परिवर्तन को मंजूरी दे दी है, लेकिन अंतिम मंजूरी शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर करेगी। यह रीब्रांडिंग कदम भविष्य के लिए व्यापक दृष्टिकोण के साथ खुद को एक विविध प्रौद्योगिकी समूह के रूप में स्थापित करने की ज़ोमैटो की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

जानें क्या होगा असर

रीब्रांडिंग से कंपनी के स्टॉक सिंबल पर असर पड़ेगा, जिसे "ज़ोमैटो" से "इटरनल" में अपडेट किया जाएगा। हालाँकि, लोकप्रिय फूड डिलीवरी ऐप, साथ ही साथ अन्य सभी ज़ोमैटो होल्डिंग्स, अपने मौजूदा ब्रांड नाम को बनाए रखेंगे। इसलिए, अभी के लिए, यदि नाम परिवर्तन वास्तव में अंतिम रूप से तय हो जाता है, तो यह केवल व्यापारियों के लिए मायने रखेगा, जब तक कि आगे के बदलावों की घोषणा नहीं की जाती। इटरनल चार प्रमुख व्यावसायिक वर्टिकल की देखरेख करने वाली एक छत्र इकाई के रूप में कार्य करेगारू ज़ोमैटो, ब्लिंकिट, हाइपरप्योर और डिस्ट्रिक्ट। कंपनी के नेतृत्व ने फूड डिलीवरी सेगमेंट में चल रही चुनौतियों को स्वीकार किया है। हाल ही में शेयरधारक अपडेट में, फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी व्यवसाय के सीईओ राकेश रंजन ने नवंबर में शुरू हुई मांग में मंदी का उल्लेख किया। इसके बावजूद, नेतृत्व इटरनल बैनर के तहत दीर्घकालिक संभावनाओं के बारे में आशावादी दिखाई देता है।

पोंटिंग से इस मामले में आगे निकले स्मिथ, शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई बने, द्रविड़ के रिकॉर्ड से महज 14 कदम दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकबला गॉल में जारी है। श्रीलंका की पहली पारी 257 रन पर सिमट गई थी। इस पारी में ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने दो कैच लपके। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा कैच (गैर–विकेटकीपर) लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। अब स्मिथ की नजर महान राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड पर है। टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड द्रविड़ के नाम है।

गॉल में दूसरे टेस्ट में स्मिथ ने बनाया रिकॉर्ड

दरअसल, गॉल टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी के दौरान स्मिथ ने कामिंदु मेंडिस और प्रभात जयसूर्या के कैच लपके। दो कैच के साथ ही उनके नाम 116' टेस्ट में 197 कैच हो गए हैं। वहीं, पोंटिंग के नाम 168 टेस्ट में 196 कैच थे। स्मिथ ने एक पारी में अधिकतम पांच कैच लपके हैं, जबकि पोंटिंग ने अधिकतम तीन कैच लपके थे। इसी के साथ स्मिथ टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस, श्रीलंका के महेला जयवर्धने, इंग्लैंड के जो रूट और द्रविड़ हैं।

सबसे ज्यादा कैच के मामले में द्रविड़ शीर्ष पर

द्रविड़ के नाम टेस्ट में 210 कैच हैं, जबकि रूट 207 कैच के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जयवर्धने ने अपने टेस्ट करियर में कुल 205 कैच लपके, जबकि कैलिस के नाम 200 कैच हैं। रूट फिलहाल वनडे खेल रहे हैं। वह भारत दौरे पर इंग्लैंड की टीम का हिस्सा हैं। रूट द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ने के सबसे नजदीक हैं। इंग्लैंड को अब सीधे जून में कोई टेस्ट खेलना है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल खेलेगी। ऐसे में स्मिथ के पास बाकी चार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने का मौका होगा।

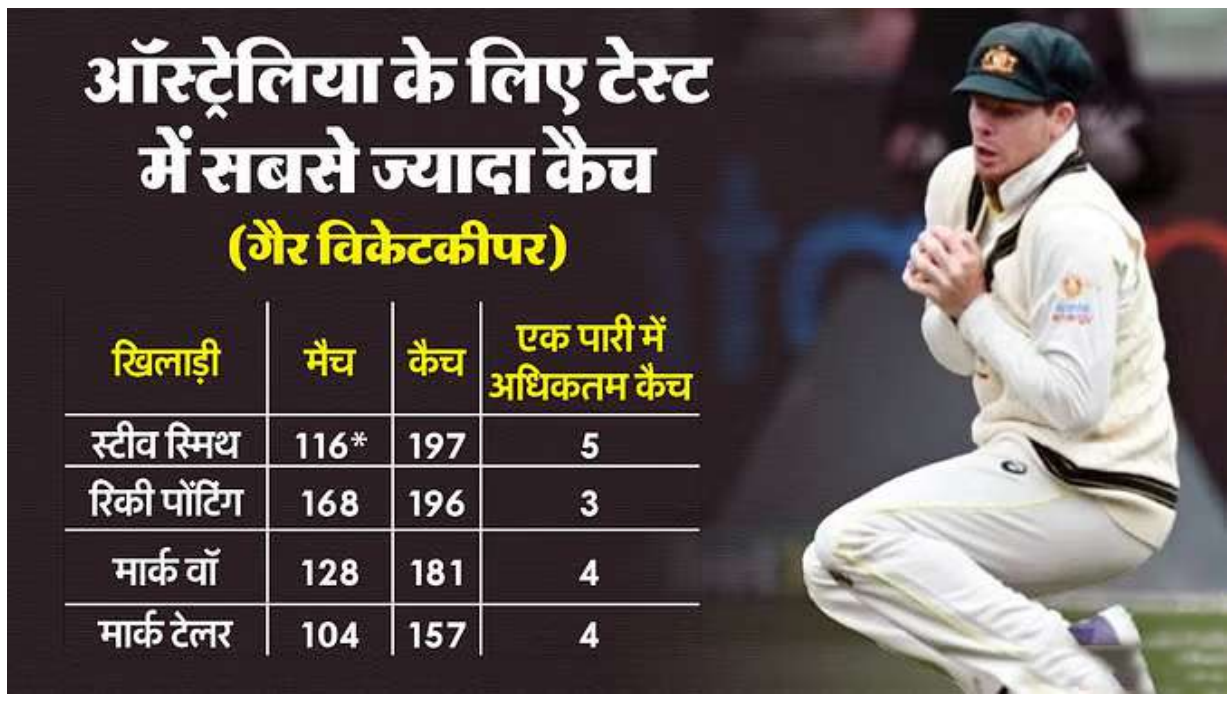

स्मिथ को पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया का कप्तान नियुक्त किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम चोट से जूझ रही

ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल चोट से जूझ रही है। चौंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम को चार बड़े झटके लगे हैं। मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद अब कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। कमिंस टखने में चोट से जूझ रहे थे, जबकि हेजलवुड को भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोट लगी थी। अब चौंपियंस ट्रॉफी की 15 सदस्यीय टीम में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को चार बदलाव करने पड़ेंगे। इसकी अंतिम तारीख 12 फरवरी है।

इन खिलाड़ियों को श्रीलंका सीरीज तक रोका गया

मिचेल मार्श को पीठ में चोट लगी थी और वह इससे उबर नहीं सके हैं, जबकि स्टोइनिस ने गुरुवार को ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसे में चौंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कमिंस के बाहर होने के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया स्टीव स्मिथ या ट्रेविस हेड में से किसी को टीम की कमान सौंप सकता है। लेग स्पिनर तनवीर सांघा, शॉन एबॉट और कूपर कोनोली को श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच तक रोका गया है। इसके अलावा जेक फ्रेजर मैकगर्क, ऑलराउंडर बेन ड्वारशुइस और पेसर स्पेंसर जॉनसन को भी श्रीलंका के खिलाफ वनडे तक रोका गया है।

दूसरे वनडे से बाहर हो जाएंगे श्रेयस अय्यर? हैरान करने वाला कारण

वनडे में नहीं खेले। इस वजह से श्रेयस को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। अय्यर मैच से पहले फिल्म देख रहे थे। लेकिन फिर अचानक रोहित शर्मा ने उन्हें फोन किया और प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की बात कही। अय्यर का प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की बात कही। अय्यर का प्लेइंग इलेवन में शामिल होना भारत के लिए गेमचेंजर साबित हुआ। उन्होंने नागपुर में 36 गेंदों में 59 रन बनाए। कोहली की फिटनेस को लेकर बीसीसीआई की तरफ से अभी तक किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं मिली है। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कोहली कटक वनडे से पहले फिट हो सकते हैं। अगर वे फिट हुए तो किसी एक खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ेगा। ऐसे में श्रेयस अय्यर को ब्रेक दिया जा सकता है।

लेकिन इसको लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इस सीीज का पहला मैच नागपुर में खेला गया। टीम इंडिया ने ये मैच 4 विकेट से जीता। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 248 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 38.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रेयस अय्यर ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 59 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ सीरीज में बढ़त बना ली है।

कटक में भारत की प्लेइंग 11 में हो सकते हैं ये दो बदलाव, जानें इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में किन खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

भारतीय टीम ने गुरुवार को इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत की। चौंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को तैयारियों का जायजा लेने के लिए 2 और मैच बाकी है। इन 2 मैचों में टीम अपने सभी विकल्प आजमाने का प्रयास करेगी। ऐसे में रविवार को कटक में भारतीय टीम की प्लेइंग 11 में 2 बदलाव हो सकता है। टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव बल्लेबाजी और दूसरा गेंदबाजी में हो सकता है। बल्लेबाजी में बदलाव तो तय है। विराट कोहली घुटने में तकलीफ के कारण पहला वनडे नहीं खेले। दूसरे वनडे में उनकी वापसी तय है। नागपुर में ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ने वाले श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद खुलासा किया कि कोहली उपलब्ध होते तो वह प्लेइंग 11 में नहीं होते।

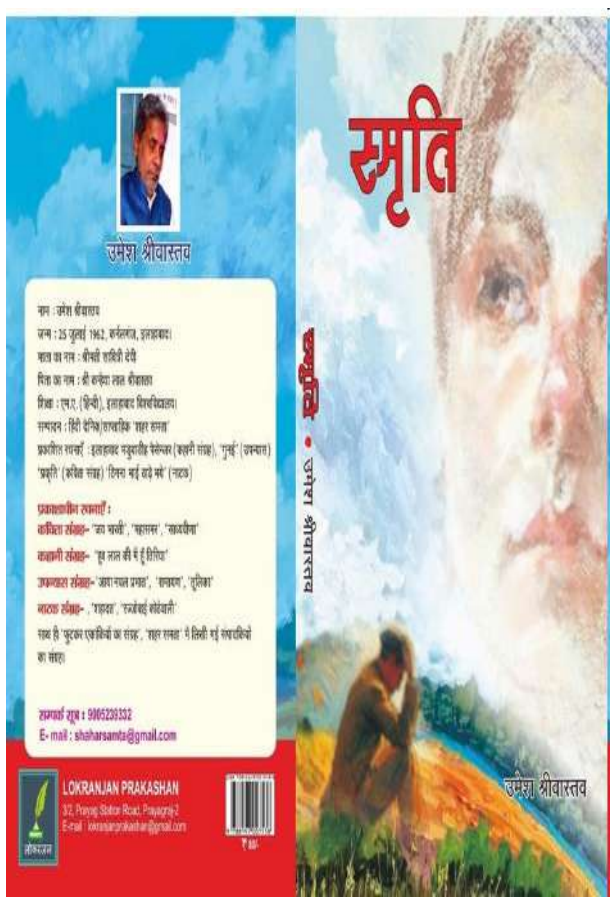

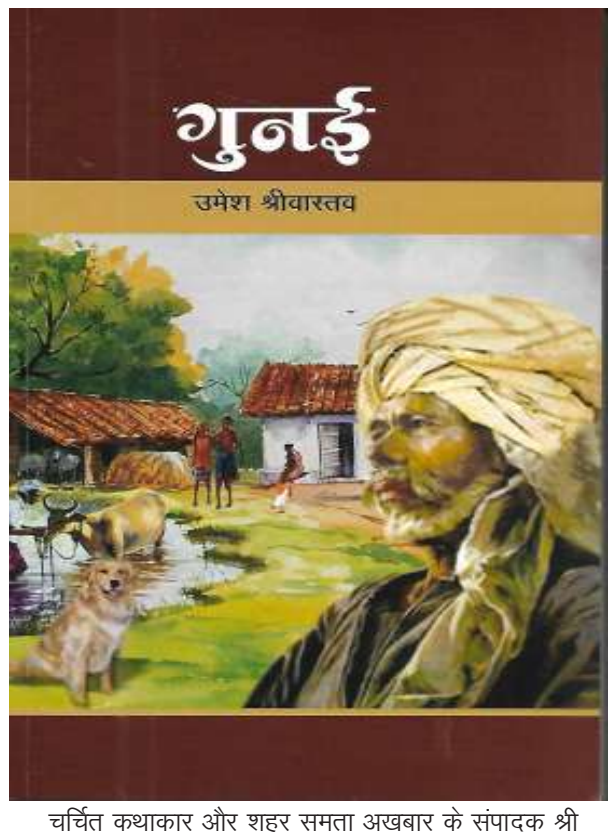

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

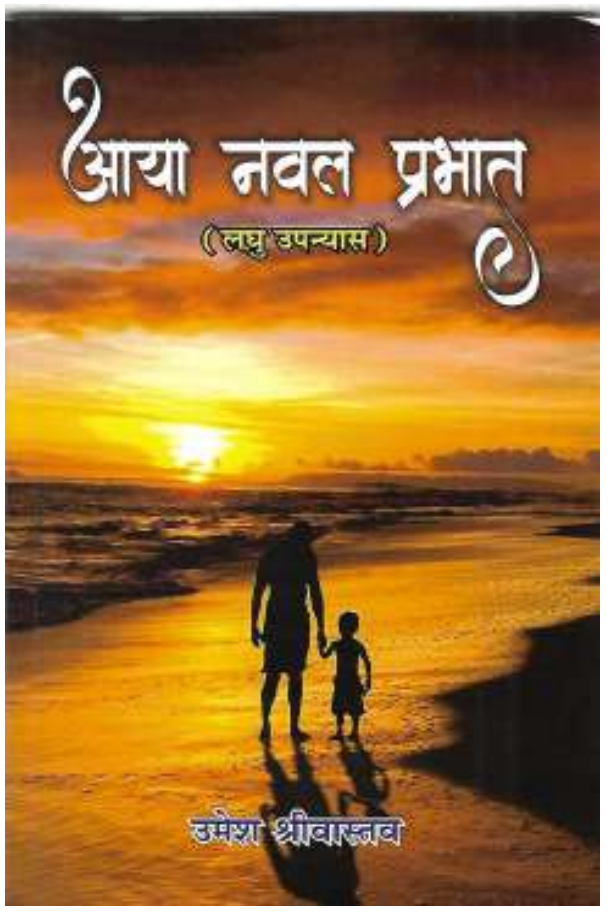

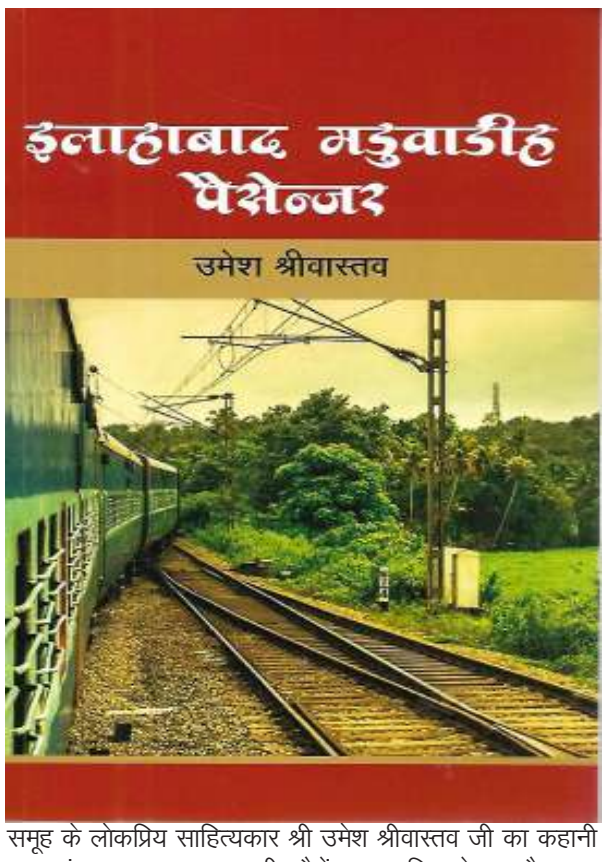

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

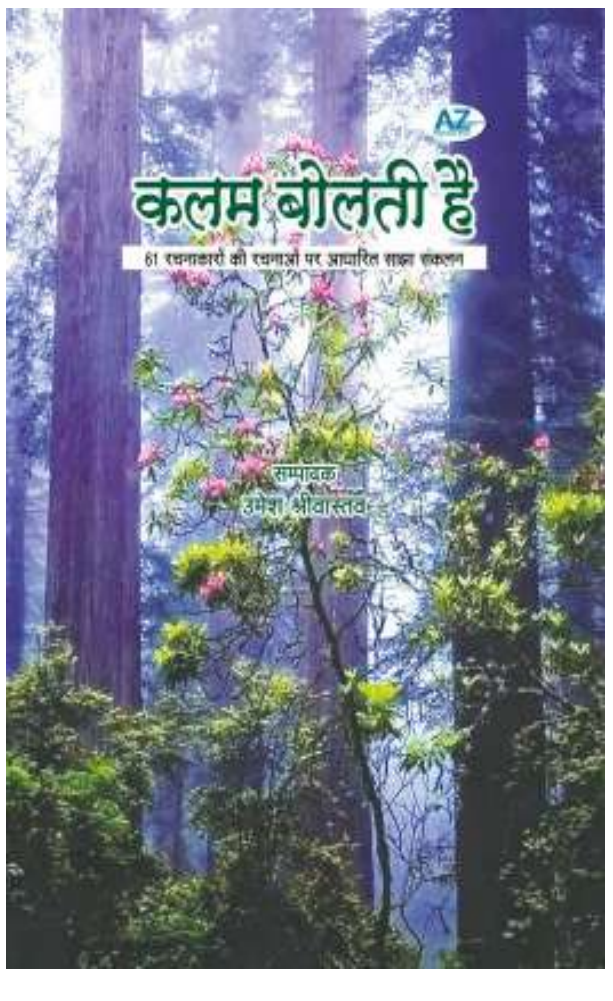

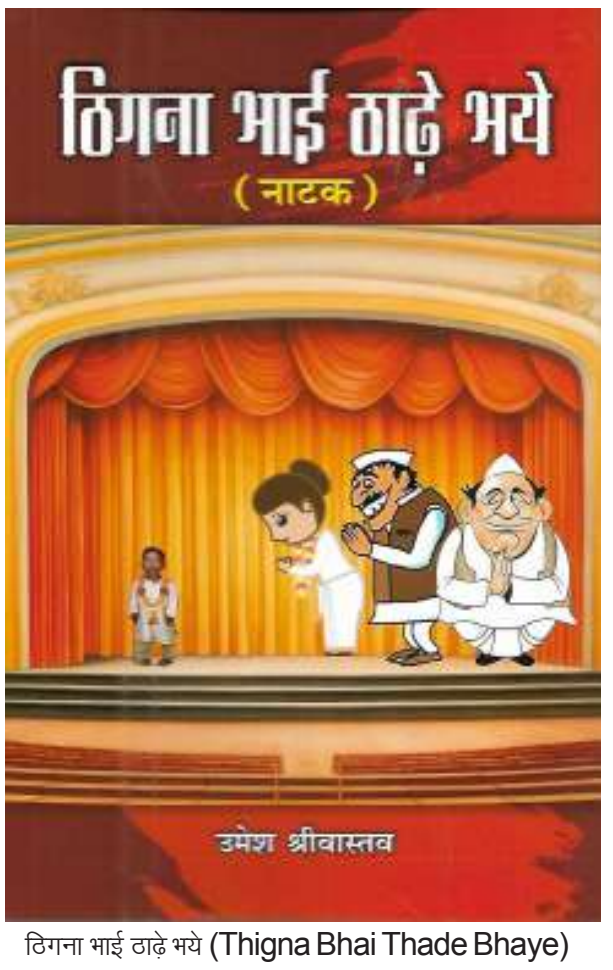

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रूसी सशस्त्र बलों में अब भी 18 भारतीय जिनमें 16 लापता : सरकार

रूसी सशस्त्र बलों में 18 भारतीय नागरिक अब भी हैं, जिनमें से 16 को रूसी पक्ष द्वारा लापता बताया गया है। सरकार ने बृहस्पतिवार को संसद में यह जानकारी दी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में 18 भारतीयों के राज्यवार निवास की जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनमें से नौ उत्तर प्रदेश से, दो–दो पंजाब और

हरियाणा से तथा एक–एक चंडीगढ़, महाराष्ट्र, केरल, बिहार और जम्मू कश्मीर से हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में सिंह ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों में शामिल 12 भारतीय नागरिकों के चल रहे संघर्ष में अपनी जान गंवाने की खबर है। सरकार से यह पूछा गया कि रूस में अभी कितने भारतीय युवा फंसे हुए हैं और वहां की सेना में सेवा दे रहे हैं तथा उन्हें वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय और रूस स्थित भारतीय दूतावास द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, उपलब्ध जानकारी के अनुसार 18 भारतीय नागरिक रूसी सशस्त्र बलों में हैं, जिनमें से 16 व्यक्तियों के लापता होने की सूचना रूसी पक्ष द्वारा दी गई है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 12 आतंकवादी मारे गए

पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में 12 आतंकवादियों को मार गिराया। एक बयान में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, यह अभियान उत्तरी वजीरिस्तान के हसन खेल इलाके में पांच–छह फरवरी की दरमियानी रात को चलाया गया जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की भी जान चली गई है। इसने कहा कि इलाके में आंतकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी जिसके आधार पर अभियान को अंजाम दिया गया। बयान में यह भी कहा गया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकवादी ठिकानों को पुख्ता तरीके से निशाना बनाया और 12 आतंकवादियों को मार गिराया। इसमें कहा गया कि आतंकवादियों के कब्जे से हथियार और गोला–बारूद बरामद किए गए हैं और ये आतंकी सुरक्षाबलों के साथ–साथ नागरिकों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे।

यूनान के सेंटोरिनी द्वीप में एक सप्ताह में भूकंप के सैकड़ों झटके महसूस किए जाने के बाद आपातकाल घोषित

यूनान की सरकार ने सेंटोरिनी द्वीप में पिछले एक सप्ताह में भूकंप के सैकड़ों झटके महसूस किए जाने के बाद बृहस्पतिवार को द्वीप में आपातकाल घोषित कर दिया। द्वीप में बुधवार रात 5.2 तीव्रता के भूकंप के उपरांत नागरिक सुरक्षा मंत्रालय ने आपातकाल की घोषणा की है जिससे बाद अधिकारियों को वहां तत्काल आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। सेंटोरिनी द्वीप में 31 जनवरी से भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन बुधवार को आया भूकंप सार्वधिक तीव्रता का था। सरकारी प्रवक्ता पावलोस मारिनाकिस ने बताया कि द्वीप पर आपात सेवाएं सक्रिय हैं। उन्होंने संवादाताओं से कहा, ''अग्निशमन विभाग, पुलिस, तट रक्षक, सशस्त्र बल और आपात चिकित्सा सेवाओं के कर्मचारियों ने सेंटोरिनी और आसपास के द्वीपों पर मोर्चा संभाल लिया है।'' भूकंप से हालांकि कोई खास नुकसान नहीं हुआ है लेकिन हजारों निवासी औरश्रमिक भय से पलायन कर रहे हैं। अधिकतर लोग नौकाओं में सवार होकर यूनान मुख्य भूमि की ओर चले गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन भूकंप का एजियन सागर में ज्वालामुखीय गतिविधि से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वे यह नहीं बता सकते कि क्या क्षेत्र में अधिक शक्तिशाली भूकंप आ सकता है या नहीं। द्वीप के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने निवासियों से मुसीबत के वक्त एक–दूसरे की सहायता करने का आग्रह किया है।

नाइजीरिया में घात लगाकर किए गए हमले में 10 सैनिकों की मौत

पश्चिमी नाइजीरिया में बुर्किना फासो से लगती सीमा पर मवेशी तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के लिए भेजी गई सैन्य टुकड़ी पर हथियारबंद हमलावरों ने घात लगाकर हमला कर दिया जिसमें कम से कम 10 जवान मारे गए। नाइजीरिया की सैन्य सरकार ने यह जानकारी दी। सेना ने बुधवार रात एक बयान जारी कर कहा कि तकजात गांव में मवेशी तस्करों को पकड़ने के लिए सैन्य टुकड़ी को सोमवार को तैनात किया गया था। बयान में कहा गया, ''अभियान के दौरान अपराधियों के एक समूह ने सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला कर दिया जिसमें हमारे 10 सैनिक मारे गए।'' बयान में कहा गया कि हमलावर फरार हो गए लेकिन सेना ने मंगलवार को 15 ''आतंकवादियों'' को पकड़ लिया और उन्हें मार गिराया। नाइजीरिया और पड़ोसी मुल्क बुर्किना फासो, माली एक दशक से अधिक समय से जिहादी समूहों के विद्रोह से जूझ रहे हैं। कुछ समूह आतंकवादी संगठन अल–कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े हैं। तीनों ही देशों में सैन्य सरकार हैं और उन्होंने सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे फ्रांस के सैनिकों को वापस भेज दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

22 फरवरी 2024 को अमेरिका में ऐसा क्या हुआ था ? जिसकी कीमत अब भारत सहित इन मुल्कों से वसूल रहे ट्रंप

15 अगस्त 2021 की तारीख जब अफगानिस्तान के एयरपोर्ट पर उड़ान भरने के लिए तैयार अमेरिकी सेवा का विमान और उसके ऊपर सवार होने के लिए दौड़ते भागते अफ़गानियों की तस्वीरों ने खासी सुर्खियां बटोरी थी। यह उसे दाऊद की बात है जब काबुल पर तालिबान का कब्जा हुआ था। अमेरिका का सी 17 विमान जब काबुल के रनवे पर उड़ान भरने के लिए तैयार था तो बहुत सारे नागरिक तालिबान से अपनी जान बचाने के लिए रनवे तक दौड़कर प्लेन पर ही लटक गए। लेकिन प्लेन ने जब टेक ऑफ किया तो कई ऊपर से गिर पड़े। कट टू साल 2025 5 फरवरी की तारीख विमान वही लेकिन स्थान और लोग नए। भारत के अमृतसर में हिंदुस्तानी नागरिकों को लेकर अमेरिका का सैन्य विमान ग्लोब मास्टर सी17 लैंड करता है। यूएस एयरफोर्स का विमान सी 17 ग्लोब मास्टर, दुनिया में अमेरिका के बाद हिंदुस्तान ही इस विशाल जहाज का सबसे बड़ा यूजर है। लेकिन 5 फरवरी को जब ये अमृतसर के आसमान में नजर आया तो कोई इसे सिर उठाकर नहीं देखना चाहता था। ट्रंप ने 104 अवैध अप्रवासियों को हाथों में हथकड़ी पहना भारत वापस डिपोर्ट कर दिया है। ट्रंप ने भारत के अलावा ब्राज़ील, ग्वाटेमाला, पेरू और होंडूरास तक सेना के जहाज से उनके नागरिकों को भेजा है। सेना के विमान से अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने के फ़ैसले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ख़ासी निंदा भी की गई है। सेना और सेना के विमान से अवैध प्रवासियों को भेजने के कदम से ट्रम्प ने अपने समर्थकों को एक मजबूत मैसेज देने का प्रयास किया है। वो इस प्रक्रिया के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इसे ट्रंप के चुनावी वादे से भी जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन ट्रंप के इस सख्त फैसले लेने और अपने सपोर्टरों को संदेश देने की कोशिश को एक साल पहले की एक घटना से भी जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, 22 फरवरी की बात है। अमेरिका के जॉर्जिया की लेकेन रिले नाम की एक छात्रा कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। वह आम दिन की तरह ही 22 फरवरी को कॉलेज में ही जॉगिंग कर रही थी। इस दौरान वेनेजुएला का एक नागरिक वहां पहुंचता है और लेकेन रिले को मार देता है। कॉलेज कैंपस के अंदर हुए कत्ल को लेकर अमेरिका में बड़ा हंगामा होता है। फिर पता चलता है कि वेनेजुएला देश का रहने वाला शख्स जिसने कत्ल को अंजाम दिया था, वो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहा था। अमेरिका के प्रेसिडेंशियल कैंपेन के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि अगर वह दूसरी बार पावर में आते हैं तो अमेरिका में गैर कानूनी रूप से रह रहे दूसरे देशों के लोगों को बाहर निकालेंगे। ट्रंप ने कहा था कि उनकी नजर में बिना कागज के अमेरिका में रहने वाले लोग क्रिमिनल हैं और ऐसे क्रिमिनलों से अमेरिका शक्ति से निपटेगा। अमेरिकी मीडिया में बहस चल रही है कि ट्रंप जानबूझकर सैन्य विमान का इस्तेमाल कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि अमेरिका पड़ोसी देशों की जमीन पर अपना सैनिक विमान उतार रहा है। विमान का उतरना यह भी याद दिला रहा है कि कभी इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता पैदा की गई थी। यह विमान उन देशों को भी चुनौती है कि अमेरिका का प्रभुत्व स्वीकार कर लें। सैन्य विमान से नागरिकों को भेजने का मकसद यह भी दिखाना है कि यह सारे अपराधी हैं। ट्रंप अपने चुनावी प्रचार में अमेरिका में घुसने वाले अवैध लोगों को अपराधी और एलियन कहते थे।

दुखद और अफसोसजनक...भारत ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आवास पर हमले की कड़ी निंदा की

भारत ने गुरुवार को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित आवास में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की। यह घटना 5 फरवरी को हुई, जब हजारों प्रदर्शनकारियों ने प्रतिष्ठित घर में आग लगा दी, जिससे बड़े पैमाने पर क्षति हुई। भारत में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने निवास के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की। भारत ने अपराधियों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक बयान में कहा कि यह दुखद है कि कब्जे और उत्पीड़न की ताकतों के खिलाफ बांग्लादेश के लोगों के वीरतापूर्ण प्रतिरोध के प्रतीक शेख मुजीबुर रहमान का यह ऐतिहासिक निवास 5 फरवरी 2025 को जला दिया गया। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय पहचान को आकार देने में शेख मुजीबुर रहमान के निवास की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि जो लोग बांग्ला पहचान और गौरव को पोषित करने वाले स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस निवास के महत्व से अवगत हैं। बर्बरता के इस कृत्य की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना के लाइव ऑनलाइन संबोधन के बाद हिंसक प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना की अवामी लीग के नेताओं के घरों को भी ध्वस्त कर दिया और मुजीबुर रहमान की भित्तिचित्रों को विरूपित कर दिया। बुधवार को कई हजार लोगों ने राजधानी के धानमंडी इलाके में स्थित हसीना के पिता मुजीबुर रहमान के घर के सामने रैली की, जिसे पहले एक स्मारक संग्रहालय में बदल दिया गया था। यह रैली सोशल मीडिया पर बुलडोजर जुलूस के आह्वान के बाद हुई, क्योंकि हसीना को अपना संबोधन देना था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भी देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा अस्थिरता भड़काने के उद्देश्य से सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर लगातार की जा रही ष्झूठी और मनगढ़ंतष टिप्पणियों और बयानों पर भारत सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को सौंपे गए एक विरोध नोट के माध्यम से बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इसने बांग्लादेश सरकार की गहरी चिंता, निराशा और गंभीर आपत्ति व्यक्त की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी ऐसी गतिविधियों को बांग्लादेश के प्रति शत्रुतापूर्ण कृत्य माना जाता है और यह दोनों देशों के बीच स्वस्थ संबंध स्थापित करने के प्रयासों के लिए अनुकूल नहीं है।

अमेरिका से बात करना कोई बुद्धिमानी और सम्मान की बात नहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर ने दिए अहम संकेत

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने शुक्रवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करना बुद्धिमानी, समझदारी या सम्मान की बात नहीं है। खामनेई का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु समझौते

के मुद्दे पर फिर से बात करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि खामनेई का यह बयान उनके ही पूर्व के उस बयान के विपरीत है, जिसमें खामनेई ने अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही थी। गौरतलब है कि अब भी खामनेई ने अमेरिका से बातचीत न करने का कोई सीधा आदेश जारी नहीं किया।

ईरान ने पूर्व में अमेरिका से बातचीत के दिए थे संकेत

बीते दिनों जब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की तो ईरानी अधिकारियों ने संकेत दिए थे कि वे परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ट्रंप के संदेश का इंतजार कर रहे हैं। अब अयातुल्ला खामेनेई ने चौंकाते हुए इसके विपरीत बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अधिकतर दबाव बनाने संबंधी एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि वे चाहते हैं कि उन्हें इस आदेश का ईरान के खिलाफ इस्तेमाल न करना पड़े। उन्होंने ईरान के साथ बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए थे।

ट्रंप के गाजा को लेकर दिए गए बयान पर कही ये बात

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने भी पूर्व में अमेरिका के साथ बातचीत की वकालत की थी और कहा था कि हमें बातचीत के लिए अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए, लेकिन अब खामेनेई ने अमेरिका से बातचीत को सम्मान के खिलाफ बताया है। ईरान के स्टैंड में बदलाव ट्रंप के हालिया बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल मंगलवार को ट्रंप ने इस्राइली पीएम के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका को गाजा पर नियंत्रण मिलना चाहिए और अमेरिका गाजा में पुनर्निर्माण का काम करे। उन्होंने गाजा के विस्थापितों को गाजा के बाहर ही बसाने का सुझाव दिया था। अब ईरान के सुप्रीम लीडर ने ट्रंप के गाजा को लेकर दिए बयान पर बिना नाम लिए टिप्पणी करते हुए कहा कि श्अमेरिकी बैठकर दुनिया का नक्शा फिर से बना रहे हैं – लेकिन केवल कागज पर, क्योंकि इसका वास्तविकता में कोई आधार नहीं है। वे हमारे बारे में बयान देते हैं, राय व्यक्त करते हैं और धमकियां देते हैं। अगर वे हमें धमकाते हैं, तो हम भी उन्हें बदले में धमकाएंगे। अगर वे अपनी धमकियों पर अमल करते हैं, तो हम भी अपनी धमकियों पर अमल करेंगे। अगर वे हमारे देश की सुरक्षा का उल्लंघन करते हैं, तो हम भी उसी तरह जवाब देंगे।

अमेरिका में पिछले आठ दिनों में तीसरे बड़े विमान हादसे की आशंका; अब पश्चिमी अलास्का में एयरक्राफ्ट लापता

वाशिंगटन। अमेरिका में आठ दिनों में तीसरे बड़े विमान हादसे की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि, आर्कटिक सर्कल के दक्षिण में अलास्का के नॉर्दन साउंड में 10 लोगों को ले जा रहा एक विमान गुरुवार दोपहर लापता हो गया है। जिसकी खोज में बचाव दल विमान के किसी भी संकेत की तलाश रात भर करते रहे। मामले में अलास्का के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, बेरिंग एयर कारवां नौ यात्रियों और एक पायलट के साथ उनालाकलीट से नोम जा रहा था। अधिकारी इसके अंतिम ज्ञात निर्देशांक निर्धारित करने के लिए काम कर रहे थे। उनालाकलीट पश्चिमी अलास्का में लगभग 690 लोगों का एक समुदाय है, जो नोम से लगभग 150 मील (लगभग 240 किलोमीटर) दक्षिण–पूर्व और एंकोरेज से 395 मील (लगभग 640 किलोमीटर) उत्तर–पश्चिम में मौजूद है। वहीं विमान के लापता होने के मामले में बेरिंग एयर के संचालन निदेशक डेविड ओल्सन का कहना है कि, सेसना कारवां ने दोपहर 2रू37 बजे उनालाकलीट छोड़ा और एक घंटे से भी कम समय बाद अधिकारियों ने उससे संपर्क टूट गया। अमेरिकी तट रक्षक के अनुसार, विमान 12 मील (लगभग 19 किलोमीटर) दूर था। ओल्सन ने कहा, बेरिंग एयर के कर्मचारी विवरण एकत्र करने, आपातकालीन सहायता प्राप्त करने, खोज और बचाव कार्य करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

ट्रंप ने इजराइल के खिलाफ जांच को लेकर अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत पर प्रतिबंध लगाए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के खिलाफ जांच को लेकर अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) पर प्रतिबंध लगाने संबंधी आदेश पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए। अमेरिका और इजराइल अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत को मान्यता नहीं देते हैं। अक्टूबर 2023 में इजराइल के खिलाफ हमास के हमले के बाद गाजा में जवाबी सैन्य कार्रवाई को लेकर कथित युद्ध अपराधों के लिए आईसीसी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इजराइली सेना की जवाबी कार्रवाई में बच्चों सहित हजारों फलस्तीनियों की मौत हुई

थी। ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में आईसीसी पर ''अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी इजराइल को निशाना बनाकर अवैध तथा निराधार कार्यवाही करने'' और नेतन्याहू और उनके पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ ''बेबुनियाद गिरफ्तारी वारंट'' जारी करके अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। आदेश में कहा गया है कि ''अमेरिका या इजराइल, आईसीसी के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। इसमें यह भी कहा गया कि आईसीसी ने दोनों देशों के खिलाफ कार्रवाई का खतरनाक कदम उठाया है। आदेश में कहा गया है कि अमेरिका आईसीसी पर ''ठोस प्रतिबंध'' लगाएगा। ट्रंप की ओर यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब नेतन्याहू वाशिंगटन के दौरे पर हैं। इजराइली राष्ट्रपति और ट्रंप ने मंगलवार को 'व्हाइट हाउस' में वार्ता की और नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को 'कैपिटल हिल' (अमेरिकी संसद) में सांसदों के साथ बैठक की।

पाक पीएम को कोर्ट से बड़ी राहत, भ्रष्टाचार मामले में शहबाज शरीफ और उनके बेटे को किया बरी

पाकिस्तानी अदालत ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज को आठ साल पुराने भ्रष्टाचार के मामले में बरी कर दिया। शिकायतकर्ता ने खुद को इससे अलग कर लिया था। भ्रष्टाचार निरोधक अदालत के न्यायाधीश सरदार मुहम्मद इकबाल ने फैसला सुनाया, जिसे सोमवार को सुरक्षित रख लिया गया था। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि लाहौर की एक भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने आज प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज को रमजान शुगर मिल्स भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया, क्योंकि शिकायतकर्ता ने खुद को मामले से अलग कर लिया था। शिकायतकर्ता जुल्फिकार अली ने न्यायाधीश से कहा कि उन्होंने न तो शरीफ के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और न ही उन्हें उस आवेदन के बारे में पता है जिस पर मामला शुरू किया गया था।

शिकायतकर्ता के बयान से पता

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।